राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार , 24 मार्च 2026

वर्ष 14,अंक 332, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

सीतापुर में 5.5 लाख की टप्पेबाजी का खुलासा, दतिया का 'लेडी गैंग' पुलिस की गिरफ्त में..03

भाजपा की बी टीम है सपा- ओपी राजभर..04

मजिस्ट्रेट ने 3 साल की रेप पीड़िता बच्ची से कहा- 'सच बोलो', SC नाराज होकर बोला- ये तो बेहद चौंकाने वाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली/गुरुग्राम- सुप्रीम कोर्ट ने गुरुग्राम में तीन साल की बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म मामले की जांच को लेकर हरियाणा पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराज़गी जताई है. अदालत ने जांच के तरीके को 'बेहद चौंकाने वाला' और 'असंवेदनशील' करार देते हुए कई गंभीर सवाल उठाए हैं. सोमवार हुई सुनवाई में कोर्ट ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि पीड़िता का बयान न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने आरोपियों के बेहद करीब बैठाकर दर्ज किया गया. अदालत ने इसे प्रक्रिया के खिलाफ बताते हुए कहा कि ऐसे मामलों में संवेदनशीलता और कानूनी प्रोटोकॉल का पालन अनिवार्य है।

यह मामला चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जॉयमाला बागजी और विपुल पंचोली की पीठ के सामने सुनवाई के लिए आया. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त और जांच अधिकारी को 25 मार्च को पर्सनली पेश होने का निर्देश दिया है और पूरे मामले की डिटेल रिपोर्ट मांगी है।

अदालत ने राज्य सरकार को यह भी निर्देश दिया कि वह प्रदेश में तैनात महिला आईपीएस अधिकारियों की लिस्ट पेश करे. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पीड़िता के परिजनों द्वारा दाखिल हलफनामे से यह संकेत मिलता है कि जांच प्रक्रिया परेशान करने वाले तरीके से की गई, जो बेहद गंभीर चिंता का विषय है।

सुनवाई के दौरान सीनियर लॉयर मुकुल रोहतगी ने जांच प्रक्रिया पर कई सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि चार हफ्ते बीत जाने के बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है, जबकि आरोपियों के नाम तक सामने आ चुके हैं. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बच्ची को पुलिस स्टेशन और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (CWC) ले जाया गया, जहां मजिस्ट्रेट ने उससे 'सच बोलो' जैसे शब्द कहे और यहां तक कि आरोपी को भी उसके सामने लाया गया, जो कानून के खिलाफ है।

रोहतगी ने यह भी बताया कि मामले का जांच अधिकारी (IO) पहले भी पॉक्सो (POCSO) केस में रिश्वत लेने के आरोप में सस्पेंड हो चुका है और इस केस में भी परिवार को मामला आगे न बढ़ाने की सलाह दी गई. उन्होंने कोर्ट से मांग की कि गुरुग्राम पुलिस को जांच से हटाकर मामला या तो CBI को सौंपा जाए या विशेष जांच दल (SIT) गठित किया जाए।

इस पर कोर्ट ने भी सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि 'चार साल की बच्ची के साथ इस तरह की असंवेदनशीलता बेहद चौंकाने वाली है.' अदालत ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में शिकायत का इंतजार किए बिना भी एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए थी।

राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि शुरुआत में महिला अधिकारी जांच कर रही थी, लेकिन उसके निलंबन के बाद एसएचओ ने जांच संभाली. हालांकि कोर्ट ने जांच प्रक्रिया में हुई खामियों पर असंतोष जताते हुए मामले में विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए हैं।

सपा नेता के कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया टैंक फटा, छत गिरने से मलबे में दबे मजदूर

प्रयागराज- उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के गंगानगर इलाके में सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब फाफामऊ थाना क्षेत्र स्थित एक कोल्ड स्टोरेज अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के साथ ही अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस दुर्घटना में कम से कम नौ श्रमिक घायल हो गए हैं, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि हादसा इतना अचानक हुआ कि श्रमिकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। कुलदीप गुनावत ने बताया कि राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है, जबकि अग्निशमन विभाग की टीम अमोनिया गैस के रिसाव को रोकने में जुटी हुई है। वहीं मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि दोपहर करीब डेढ़ से दो बजे के बीच हादसे की सूचना मिली, जिसके बाद वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कराया गया।

शासन के अनुसार, मलबा हटाने का काम लगातार जारी है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मलबे में और कितने लोग फंसे हो सकते हैं। एहतियात के तौर पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना और गैस रिसाव को पूरी तरह नियंत्रित करना है।

ब्रजेश पाठक ने अखिलेश पर बोला हमला, कहा- '100 चूहे खाकर बिल्ली हज पर चली'...वाली बात करती है सपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश में महिलाओं की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। इसे उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'समाजवादी पार्टी का हाल वही है '100 चूहे खाकर बिल्ली हज पर चली'...समाजवादी पार्टी को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए कि उनके शासन काल में बहू बेटी की इज्जत आबरू लूटी जा रही थी। प्रदेश की जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी।

महिलाओं की स्थित पर अखिलेश ने जाहिर की थी चिंता

दरअसल, अखिलेश यादव ने प्रदेश में महिलाओं की स्थित पर चिंता जाहिर करते हुए दावा कि 'आधी आबादी' की भागीदारी के बिना सच्ची तरक्की मुमकिन नहीं है। यादव ने आज सपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''अगर किसी समाज या देश को समझना है, तो उसकी महिलाओं की स्थिति देखनी होगी, और अगर वह बात पता चल जाए, तो पूरे समाज की स्थिति का पता चल जाएगा। भारत में, जहां अलग-अलग जाति और धर्म के लोग रहते हैं वहां अंदाजा लगाने पर पता चलता है कि हमारी महिलाओं और बहनों की हालत असल में बहुत खराब है।

महिलाओं की भागीदारी के बिना सच्ची तरक्की नामुमकिन

उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर महिला सुरक्षा, महिला स्वास्थ्य, महिला सम्मान और महिला खुशहाली से जुड़ी परियोजनाओं को और बेहतर तरीके से लागू किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि आधी आबादी यानी महिलाओं की भागीदारी के बिना सच्ची तरक्की नामुमकिन है, इसलिए पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) की सबसे बड़ी ताकत पिछड़े वर्ग, दलित, अल्पसंख्यक और हमारे मुस्लिम भाई हैं, लेकिन हम इस आधी आबादी के सहयोग के बिना समाज और देश को आगे नहीं बढ़ा सकते।

महिलाओं के सम्मान के लिए विशेष योजनाएं लाएगी सपा

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में पीडीए के दम पर सरकार बनाकर महिलाओं के सम्मान के लिए विशेष योजनाएं लागू करेगी और उन्हें खुशहाल जिंदगी की राह पर ले जाएगी।

1090 के जरिए लड़कियों और महिलाओं की मदद

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने शासनकाल में शुरू की गई महिला हेल्पलाइन 1090 का जिक्र करते हुए कहा, ''जब '1090' हेल्पलाइन पहली बार शुरू हुई थी, तो बहुत से लोगों को शक था कि यह आखिर में कितनी असरदार साबित होगी। हालांकि, मुझे यह देखकर खुशी हुई कि एक बार जब 1090 के जरिए लड़कियों और महिलाओं की मदद करने तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की पहल शुरू हुई और जब नतीजे के आंकड़े अखबारों में छपे तो उच्चतम न्यायालय ने भी इस कोशिश की तारीफ की, और साथ ही सुझाव दिया कि दूसरे राज्यों को भी इससे सीखना चाहिए।

'कन्या विद्याधन योजना' सपा सरकार की महत्तव पूर्ण योजना रही

उन्होंने अपने पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव द्वारा लड़कियों की पढ़ाई में मदद के लिए शुरू की गई 'कन्या विद्याधन योजना' का भी जिक्र करते हुए कहा, ''उस समय, देश में लड़कियों की पढ़ाई और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कोई खास योजना नहीं थी। नेताजी (मुलायम सिंह यादव) ने यह कोशिश शुरू की, और उसके बाद आई समाजवादी सरकार में हमने इसे और बढ़ाने तथा मजबूत करने का काम किया है।

सपा की सरकार बनी तो महिलाओं के लिए विशेष योजना लाएगी सरकार

सपा प्रमुख ने कहा कि वर्ष 2027 में प्रदेश में सपा की सरकार बनने के बाद सरकार बेटियों की पढ़ाई और माताओं-बहनों की भलाई के लिए और भी बड़ी योजनाएं लागू करेगी। कार्यक्रम में मौजूद उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन ने इस अवसर पर कहा कि सपा अध्यक्ष ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में अपर पुलिस महानिदेशक का एक खास पद सृजित किया था, जिस पर एक महिला अधिकारी की तैनाती की जाती थी। उन्होंने बताया कि उस महिला अफसर की देखरेख में काम करने वाले पूरे संगठनात्मक ढांचे को महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगातार नजर रखने का काम सौंपा गया था ताकि यह सुनिश्चित हो कि सही कार्रवाई की जा रही है और यह देखा जा सके कि क्या रोकथाम के उपाय ऐसे अपराधों को रोकने में कामयाब हो रहे हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

आपके लिए विकास से ज्यादा त्योहार जरूरी, सुप्रीम कोर्ट की ममता सरकार को फटकार, कहा- हम बहाना नहीं देंगे

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई है. ये कोलकाता में मेट्रो रेल परियोजना का राजनीतिकरण करने और उसे रोकने के लिए फटकार लगाई गई है. सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि आपने हाई कोर्ट में कहा था कि हमें त्योहारों का आयोजन करना है. उन्होंने कहा कि इसलिए हम निर्माण कार्य के लिए पुलिस सहायता नहीं दे सकते हैं. आपके लिए त्योहार विकास से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं. उन्होंने कहा कि हम लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई राज्य सरकार को यह पसंद नहीं करते कि वह हमारे दरवाजे पर आकर कहे कि कृपया आकर हमारी मदद करें. यह परियोजना राष्ट्रीय परिषद की घोषणा से पहले ही घोषित कर दी गई थी. हम आपको इसे विकास रोकने का एक और बहाना नहीं बनाने देंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें ये बिल्कुल पसंद नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दर्ज किया कि यह केवल अधिकारियों के हठधर्मी रवैये को दर्शाता है. इसके तहत वे कोलकाता शहर में मेट्रो रेल परियोजना में देरी और उसे रोकना चाहते हैं. हाईकोर्ट की ओर से पारित आदेश में कोई खामी नहीं थी, हमें विश्वास है कि परियोजना समयबद्ध तरीके से पूरी हो जाएगी. कोर्ट ने कहा कि हमें यह बिल्कुल पसंद नहीं है कि राज्य सरकार हमारे दरवाजे पर आकर कहे कि कृपया आइए और हमें बचाइए. उन्होंने कहा कि हर चीज का राजनीतिकरण न करें. यह विकास से जुड़ा मुद्दा है. सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने यह टिप्पणी की. राज्य सरकार ने सार्वजनिक सुरक्षा और जरूरी सेवाओं से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए अपने पक्ष का बचाव किया. सरकार ने बताया कि एम्बुलेंस और अंग प्रत्यारोपण वाले वाहन अक्सर इस प्रभावित कॉरिडोर का इस्तेमाल करते हैं, इसलिए उसे ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए और समय चाहिए. हालांकि, बेंच इससे संतुष्ट नहीं हुई. चीफ जस्टिस ने कहा कि राज्य के अधिकारियों की तरफ से गंभीर चूक होने के बावजूद, हाई कोर्ट ने काफी संयम दिखाया है।

पटना पुल हादसा: एक्शन में नीतीश सरकार, जांच के आदेश; मंत्री रामकृपाल बोले- ठेकेदार पर लेंगे एक्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार के पटना जिले के दानापुर क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल के गिरने के मामले में नीतीश सरकार एक्शन में है. बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाय यादव ने कहा कि ढिबरा में पुल की दीवार गिरने के मामले में संबंधित अधिकारियों से बात की गई है. उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं. जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, जाहे वह अधिकारी हो या ठेकेदार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पटना के शाहपुर थाना क्षेत्र के ढिबरा गांव में शनिवार को विजय सिंह पथ-ढिबरा सड़क परियोजना के तहत बन रहा एक छोटा पुल अचानक ढह गया. हादसे के वक्त वहां काम कर रहे दो मजदूर मलबे में दब गए, जिनमें से एक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दूसरा किसी तरह बच निकला।

15 दिन पहले शुरू हुआ था काम

घायल मजदूर की पहचान संतोष कुमार के रूप में हुई है. उसे तुरंत मलबे से निकालकर दानापुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के बाद उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है. बताया जा रहा है कि पुल का निर्माण कार्य करीब 15 दिन पहले ही शुरू हुआ था और हादसे के समय भी काम जारी था।

ग्रामीणों ने लगाए अनियमितता के आरोप

घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है. ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में लापरवाही और अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि पुल बिना मजबूत नींव और पर्याप्त लोहे के ढांचे के बनाया जा रहा था. साथ ही घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल की भी बात सामने आई है. स्थानीय लोगों के अनुसार इलाके में इसी तरह के दो पुल बनाए जा रहे थे, जिनमें से एक पहले ही गिर चुका है, जबकि दूसरा भी कमजोर तकनीक से तैयार किया जा रहा है, जिससे बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है. ग्रामीणों ने ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है और दूसरे पुल का तत्काल निरीक्षण कराने की अपील की है।

दिए गए जांच के निर्देश

मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने भी एक्शन लिया है. मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि घटना को लेकर संबंधित अधिकारियों से बात की गई है और पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, चाहे वह अधिकारी हो या ठेकेदार, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.वहीं, शाहपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुल मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाया जा रहा था. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

सरकार ने गेहूं पर 160 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई MSP, कैबिनेट की बैठक में किसानों के हित में योगी का बड़ा फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों, ऊर्जा और निवेश से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने फैसलों की जानकारी दी। कैबिनेट बैठक में कुल 37 प्रस्ताव लाए गए, जिनमें से 2 प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। इनमें चीनी उद्योग और लखीमपुर खीरी से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है।

6500 क्रय केंद्र पर होगी गेंहू खरीद

उन्होंने बताया कि गेहूं खरीद मार्च से 15 जून तक की जाएगी। राज्य के सभी 75 जिलों में 6500 क्रय केंद्र बनाए जाएंगे और 8 एजेंसियों के माध्यम से खरीद होगी। इन एजेंसियों में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), यूपी मंडी परिषद, पीसीएफ, पीसीयू, यूपीएसएस, नैफेड और एनसीसीएफ शामिल हैं। ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि सरकार ने दुमका (झारखंड) में 2242.90 करोड़ रुपये में कोल ब्लॉक खरीदा है। इससे घाटमपुर स्थित 660 मेगावाट की तीन यूनिटों को कोयला मिलेगा।

अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने पर जोर

उन्होंने कहा कि अभी कोयला दूर से मंगाना पड़ता है, लेकिन झारखंड से आपूर्ति होने पर बिजली उत्पादन सस्ता होगा और उपभोक्ताओं को करीब 80 पैसे प्रति यूनिट तक सस्ती बिजली मिल सकेगी। राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नई नीति को मंजूरी दी है। अयोध्या को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि सभी नगर निगमों को भी सोलर सिटी बनाने की योजना है। इसके अलावा गोरखपुर के चिलुआ ताल में सोलर प्लांट लगाया जाएगा, जिसे कोल इंडिया लिमिटेड स्थापित करेगी।

निजी बिजनेस पार्क निर्माण योजना को मंजूरी

इसके लिए सरकार ने 80 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि निजी बिजनेस पार्क निर्माण योजना को मंजूरी दी गई है, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही संभल में इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक सेंटर विकसित किया जाएगा, जिसे निवेशकों को सौंपा जाएगा। सरकार का कहना है कि इन फैसलों से उत्तर प्रदेश में कृषि, ऊर्जा और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

'मेरे भाई का मर्डर भोंदू बाबा ने किया...', दुष्कर्म के बाद अब अशोक खरात पर लगा हत्या का आरोप, जांच में परत-दर-परत हो रहे खुलासे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र के नासिक से रेप केस में गिरफ्तार अशोक खरात के खिलाफ जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रह है, वैसे-वैसे हैरान करने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं. खुद को ज्योतिष बताने वाले बाबा अशोक खरात से जुड़ा एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है. इस मामले में सरकारवाड़ा पुलिस थाने में उसके खिलाफ तीसरा मामला दर्ज किया गया है. एक महिला ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है. वहीं एक किसान ने अपने भाई की हत्या आरोप बाबा अशोक खरात पर लगाया है।

जानकारी के मुताबिक, पारिवारिक विवाद से परेशान एक विवाहित महिला जब उसके पास समाधान के लिए पहुंची, तो खरात ने खुद को अवतारी पुरुष बताकर पहले तो महिला का भरोसा जीता फिर उसने महिला को यह कहकर भ्रमित किया कि 'तुम पिछले जन्म की अप्सरा हो और तुम्हारा तलाक पहले से ही तय है।'

एक और महिला ने दर्ज कराया केस

महिला ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि इसी विश्वास का फायदा उठाकर उसने धार्मिक अनुष्ठान, भविष्यवाणी और तांत्रिक उपायों के नाम पर यौन शोषण किया. उसने महिला के मन में डर और झूठी उम्मीदें पैदा कर उसे अपनी और आकर्षित किया. इस मामले में सबसे गंभीर खुलासा तब हुआ जब महिला ने बताया कि शोषण के दौरान वो गर्भवती हो गई थी तो इसके बाद खरात ने उसे अपने कार्यालय में बुलाकर गर्भपात की दवाएं दीं.

इतना ही नहीं, उसने महिला को यह कहकर भी बहकाया कि 'मेरे भाग्य में दो शादियां हैं, तुम मुझसे विवाह कर लो, मैं तुम्हें और तुम्हारे बच्चों को सुखी रखूंगा.' साथ ही, 2027 में शादी करने का झूठा वादा कर वह लगातार उसे गुमराह करता रहा. इस पूरे मामले ने खरात की कथित बाबा गिरी और महिलाओं के शोषण के गंभीर पहलुओं को उजागर कर दिया. पुलिस जांच आगे बढ़ने के साथ ही और भी चौंकाने वाले खुलासों की संभावना जताई जा रही है।

हत्या का भी आरोप

नासिक के गवलाने गांव के किसान विलास जाधव ने अशोक खरात पर चौंकाने वाला आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि मेरे भाई की हत्या भोंदू बाबा अशोक खरात ने की. उस समय हमने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन भोंदू बाबा खरात के बड़े लोगों से संबंध होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई.अशोक खरात द्वारा हड़पी गई जमीन के विवाद पर अदालत फैसला देने वाली थी, लेकिन फैसले से दो दिन पहले ही भाई की संदिग्ध सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी. 2022 में विलास जाधव के भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने कोई कारवाई नहीं की थी।

कानपुर में एक्सपो मेले में समय सीमा तोड़कर उड़ाई नियमों की धज्जियां, आयोजक दंपती पर मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। बृजेंद्र स्वरूप पार्क में आयोजित एक्सपो मेले में प्रशासनिक शर्तों का खुलेआम उल्लंघन सामने आया है। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि मेला रात्रि 10 बजे तक ही संचालित किया जाएगा, लेकिन पुलिस गश्त के दौरान रात 11 बजे भी मेला पूरी तरह संचालित होता मिला। पुलिस ने जब मेला बंद कराने का प्रयास किया तो आयोजक दंपती ने आत्महत्या की धमकी दी। पुलिस ने दंपती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कर्नलगंज थानाक्षेत्र के ईदगाह चौकी प्रभारी रिंकू कुमार ने बताया कि बृजेंद्र स्वरूप पार्क में रेलबाजार निवासी आयोजक आमिर सिद्दीकी और उनकी पत्नी जोया सिद्दीकी द्वारा एक्सपो मेले का संचालन किया जा रहा है। रविवार रात करीब 11 बजे गश्त के दौरान मेले में लगे लाउडस्पीकर तेज आवाज में बज रहे थे, जिससे ध्वनि प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन हो रहा था। इसके अलावा झूलों का संचालन जारी था और बिना अनुमति जलपरी प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जो नियमों के विपरीत है।

नियमानुसार रात 10 बजे तक ही मेले के संचालन की अनुमति प्रदान की गई थी। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने मौके पर मौजूद आयोजकों को कई बार मौखिक चेतावनी देकर मेला बंद करने के निर्देश दिए, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया। मामले को लेकर चौकी इंचार्ज ने आयोजक दंपती के खिलाफ तहरीर दी। एसीपी कर्नलगंज अमित चौरसिया ने बताया कि चौकी प्रभारी की तहरीर पर आयोजक दंपती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं आयोजक अमिर सिद्दकी का कहना है कि लाउडस्पीकर समय से बंद करवा दिए गए थे भीड़ के निकलते-निकलते समय हो गया था। आरोप निराधार हैं।

इधर, गाली गलौज का विरोध करने पर युवक को पीटा, मुकदमा

चकेरी थाना क्षेत्र के देवीगंज में नशेबाजी के विरोध पर युवक से गाली गलौज के बाद मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ है। देवीगंज निवासी लक्ष्मण की तहरीर के अनुसार बीती 18 मार्च को उनका बेटा समीर घर के बाहर खड़े होकर अपनी मां से बातचीत कर रहा था। इस दौरान आरोपित अंशू वहां पहुंचा। इसके बाद बेटे समीर से बेवजह गाली गलौज करने लगा। विरोध पर आरोपित ने समीर को बुरी तरह से पीटा। मामले में थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र का कहना है कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बातें बची हैं, पर बातचीत क्यों खत्म हो रही है?

'मैं' की छोटी-सी जीत, 'हम' की बड़ी हार बन जाती है

बातों का सिलसिला जारी है, पर जुड़ाव कब का खत्म हो चुका है

आज हमारे पास शब्दों की कोई कमी नहीं है, कमी है उस सच्चाई, उस गहराई और उस आत्मीय स्पर्श की, जो शब्दों को साधारण 'बात' से उठाकर सच्ची बातचीत में बदल देता है। हम दिन भर अनगिनत लोगों से बात करते हैं, संदेशों का आदान-प्रदान करते हैं, प्रतिक्रियाएँ देते हैं—फिर भी जब रात की खामोशी उतरती है, तो भीतर एक अजीब-सा खालीपन रह जाता है। यह खालीपन यूँ ही नहीं जन्म लेता, यह इस बात का साक्षी है कि 'बातें' तो बहुत हुई, पर 'बातचीत' कहीं खो गई। क्योंकि बातचीत केवल शब्दों का मेल नहीं, बल्कि दो मनों, दो भावनाओं और दो आत्माओं का सच्चा जुड़ाव है—और जब यह जुड़ाव नहीं बनता, तो शब्द केवल शोर बनकर रह जाते हैं।

आज बातचीत के खत्म होने की सबसे बड़ी वजह यह है कि हमने उसे एक औपचारिकता, एक आदत और एक रूटीन बना दिया है। 'क्या हाल है? ', 'सब ठीक? ', 'खाना खाया? '—ये सवाल जरूरी जरूर हैं, लेकिन ये रिश्तों में जीवन नहीं भरते, ये सिर्फ उनकी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। असली बातचीत तब जन्म लेती है जब हम सतह से नीचे उतरते हैं, जब हम सच में जानना चाहते हैं कि सामने वाला कैसा है, उसके भीतर क्या चल रहा है, कौन-सी बातें उसे चुप कर रही हैं। और सबसे जरूरी—जब हम इन सवालों के जवाब सुनने के लिए ठहरते हैं, बिना जल्दबाजी, बिना औपचारिकता, पूरी संवेदनशीलता के साथ।

हमारी सबसे बड़ी कमी यही है कि हम सुनना भूल गए हैं—हम सिर्फ जवाब देने के लिए इंतज़ार करते हैं। जब कोई अपनी बात कह रहा होता है, तब हमारा ध्यान उसकी भावनाओं पर नहीं, बल्कि अपने अगले शब्दों पर होता है। यही कारण है कि सामने वाला सुना हुआ नहीं, बल्कि अनदेखा और अनसुना महसूस करता है। यही अनदेखापन धीरे-धीरे एक गहरी दूरी में बदल जाता है, जो बिना शोर किए रिश्तों को कमजोर कर देता है और अंततः बातचीत को खत्म कर देता है। शायद अब समय आ गया है कि हम फिर से सीखें—कम बोलना नहीं, बल्कि सच में सुनना और दिल से जुड़ना।

डर और असुरक्षा भी बातचीत को गहराई तक पहुँचने से रोक देते हैं। हम अपनी सच्ची भावनाओं, अपने भीतर छिपे सच और अपनी नाजुक संवेदनाओं को व्यक्त करने से कतराते हैं—कहीं हमें गलत न समझ लिया जाए, कहीं हमारी कमजोरी उजागर न हो जाए, कहीं हमारी छवि टूट न जाए। इसलिए हम सुरक्षित शब्दों का सहारा लेते हैं, सतही बातें करते हैं, और अपने असली भावों को भीतर ही दबाए रखते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि जहाँ जोखिम नहीं होता, वहाँ सच्ची गहराई भी नहीं होती। बातचीत तब जीवंत और अर्थपूर्ण बनती है, जब हम अपने भीतर की सच्चाई को, अपनी अपूर्णताओं और असहजताओं के साथ, साहसपूर्वक सामने रखने का हौसला करते हैं। तकनीक ने बातचीत को तेज़, सुविधाजनक और हर पल उपलब्ध जरूर बना दिया है, लेकिन उसे गहराई और संवेदनशीलता नहीं दे पाई। टेक्स्ट, इमोजी और छोटे-छोटे संदेशों ने भावनाओं को सीमित और संक्षिप्त कर दिया है। हम तुरंत जवाब तो दे देते हैं, लेकिन उन शब्दों को महसूस करने, उन्हें समझने और उनके पीछे छिपे भावों को पकड़ने का समय नहीं लेते। जबकि सच्ची बातचीत को समय चाहिए, ठहराव चाहिए, और एक ऐसा धैर्य चाहिए जिसमें शब्दों के बीच की खामोशी भी सुनी जा सके। जब हर चीज़ जल्दबाज़ी में हो, तो बातचीत भी उसी जल्दबाज़ी की शिकार हो जाती है—और यही कारण है कि आज हम एक-दूसरे से जुड़े तो हैं, लेकिन वास्तव में समझे नहीं जाते।

एक और गहरी और अक्सर अनदेखी वजह है—अहंकार। छोटे-छोटे मुद्दों पर हम चुप्पी ओढ़ लेते हैं, यह सोचकर कि 'पहले वह क्यों नहीं बोलता? ', 'मैं ही क्यों पहल करूँ?' यह 'मैं' और 'मेरी' की भावना ही बातचीत का सबसे बड़ा अवरोध बन जाती है। जबकि सच्ची बातचीत तब जीवित रहती है, जब कोई एक झुकने का साहस करता है, जब कोई एक अपने अहंकार से ऊपर उठकर पहला कदम बढ़ाता है। लेकिन जब दोनों ओर अहंकार की दीवार खड़ी हो जाती है, तब शब्द खत्म नहीं होते—बस उनके बीच का रास्ता बंद हो जाता है, और वहीं से बातचीत धीरे-धीरे दम तोड़ने लगती है।

आज का जीवन इतना तेज़, इतना व्यस्त और इतना उलझा हुआ हो गया है कि हमने बातचीत को अपनी प्राथमिकताओं की सूची से लगभग बाहर ही कर दिया है। काम, लक्ष्य, महत्वाकांक्षाएँ और जिम्मेदारियों के बीच हम बातचीत को बार-बार 'बाद में' टालते रहते हैं—जैसे वह कोई गैर-ज़रूरी चीज़ हो। लेकिन सच्चाई यह है कि रिश्ते 'बाद में' नहीं चलते, वे केवल 'अभी' में ही जीवित रहते हैं। उन्हें समय चाहिए, सच्चा ध्यान चाहिए, और सबसे बढ़कर—हमारी पूरी उपस्थिति चाहिए। जब हम किसी के साथ होते हुए भी अपने विचारों, फोन या काम में उलझे रहते हैं, तो बातचीत धीरे-धीरे अपनी सांसें खोने लगती है और अनजाने में ही रिश्तों की गर्माहट कम होने लगती है। बातचीत को बचाने के लिए हमें अपने भीतर लौटना होगा—थोड़ा ठहरकर, थोड़ा समझकर। हमें यह गहराई से समझना होगा कि बातचीत कोई साधारण तकनीक नहीं, बल्कि एक बेहद संवेदनशील और जीवंत प्रक्रिया है—जिसमें समय, धैर्य, ईमानदारी और पारस्परिक समझ की सच्ची जरूरत होती है। हमें फिर से सीखना होगा—पूरी एकाग्रता के साथ सुनना, सच्चाई और स्पष्टता से बोलना, और बिना किसी शर्त के एक-दूसरे को स्वीकार करना। क्योंकि जब बातचीत खत्म होती है, तो रिश्ते अचानक नहीं टूटते—वे धीरे-धीरे भीतर से खोखले हो जाते हैं। और एक दिन, सिर्फ शब्द रह जाते हैं... बातचीत नहीं।

कृति आरके जैन

तपता मार्च, सूखता पानी: क्या हम असली समस्या से भाग रहे हैं?

[वसंत गायब, तपिश हावी: बदलते मौसम का खतरनाक संकेत]

[तपता आसमान, सूखती धरती: क्या यह जलवायु आपातकाल का संकेत है?]

सुबह की हवा में अब वसंत की ठंडक नहीं, गर्मी की तीखी आहट है, और यही हाल कई शहरों में फैल चुका है। मार्च 2026 में दिल्ली में पारा 35.7एष्ट तक पहुंचा - पहले सप्ताह का 50 साल का सबसे गर्म मार्च - जबकि गुजरात, राजस्थान, विदर्भ और मध्य प्रदेश के कई इलाकों में तापमान 38-42एष्ट तक पहुंच गया। लखनऊ, जयपुर, भोपाल, इंदौर जैसे शहर भी इस असामान्य गर्मी की चपेट में हैं। यह क्षणिक बदलाव नहीं, बल्कि बदलती जलवायु की स्पष्ट तस्वीर है जो पूरे देश की दिनचर्या में समा रही है। जो मार्च कभी हल्की धूप और सुकून का महीना था, अब तपिश और सूखेपन का अनुभव बन गया है। यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि लंबे समय की अनदेखी का नतीजा है, जिसे हम 'नया सामान्य' मानने लगे हैं।

मार्च के शुरुआती दिनों में ही बढ़ती गर्मी ने मौसम की पुरानी धारणाएं तोड़ दी हैं। जो तपिश कभी अप्रैल-मई तक सीमित थी, वह अब पहले ही सप्ताह में रिकॉर्ड बना रही है। यह सिर्फ समय का बदलाव नहीं, बल्कि बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन का संकेत है, जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया गया। चिंताजनक यह है कि पहाड़ी क्षेत्र भी अब इससे अछूते नहीं, साफ है कि जलवायु परिवर्तन सीमाएं पार कर चुका है। यह फैलता संकट हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है और हमें सोचने पर मजबूर कर रहा है कि क्या हमने प्रकृति से अपना संतुलन खो दिया है।

इस बढ़ती गर्मी के साथ जल संकट भी तेजी से गहराता जा रहा है। बड़े जलाशयों का घटता स्तर किसी सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव का नहीं, बल्कि गंभीर असंतुलन का संकेत है। मार्च में ही जब पानी आधा रह जाए, तो आने वाले महीनों का संकट साफ दिखाई देता है। इसका असर सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं, गांवों में किसान फसलों को बचाने के लिए जूझ रहे हैं। नदियां कमजोर पड़ रही हैं, भूजल नीचे जा रहा है और पानी की हर बूंद की अहमियत बढ़ती जा रही है। यह हालात स्पष्ट करते हैं कि जलवायु परिवर्तन केवल गर्मी नहीं बढ़ा रहा, बल्कि हमारे जल संसाधनों को भी तेजी से खत्म कर रहा है। तापमान और प्रदूषण का साथ इस संकट को और खतरनाक बना रहा है—एक ऐसा दोहरा प्रहार जो शरीर और पर्यावरण दोनों को प्रभावित कर रहा है। गर्मी बढ़ते ही हवा में मौजूद जहरीले कण और सक्रिय हो जाते हैं, जिससे सांस लेना कठिन हो जाता है। दिल्ली और आसपास की खराब होती हवा यह दिखा रही है कि समस्या सिर्फ गर्मी नहीं, बल्कि उसी हवा की है जिस पर जीवन निर्भर है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों पर पड़ रहा है, और अस्पतालों में बढ़ती भीड़ संकेत है कि यह अब पर्यावरण नहीं, गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है।

ऐसे हालात में वर्ल्ड बैंक का हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट (300 डॉलर मिलियन) राहत की उम्मीद जगाता है। साफ हवा के लिए मॉनिटरिंग नेटवर्क का विस्तार, इलेक्ट्रिक वाहन, कृषि और उद्योग सुधार सकारात्मक कदम हैं। लेकिन असली सवाल यही है कि क्या ये पर्याप्त हैं, या हम सिर्फ ऊपर-ऊपर से समस्या को संभाल रहे हैं? मॉनिटरिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा और कृषि सुधार जरूरी हैं, पर जब तक ये व्यापक और दीर्घकालिक नीति से नहीं जुड़ते, तब तक इनका असर सीमित ही रहेगा।

वास्तविक चुनौती उन जड़ों पर प्रहार करने की है जहां से यह संकट पैदा हो रहा है। तेज औद्योगिकीकरण, जीवाश्म ईंधनों पर बढ़ती निर्भरता, जंगलों की कटाई और अव्यवस्थित शहरी विस्तार ने प्राकृतिक संतुलन को गहराई से बिगाड़ दिया है। फिर भी हम प्रदूषण को मौसमी मानकर टाल देते हैं और गर्मी को अस्थायी असुविधा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन मार्च 2026 ने साफ कर दिया है कि यह सोच अब खतरे से खाली नहीं। जब असामान्यता ही सामान्य लगने लगे, तो इसका मतलब है कि हमने समस्या को स्वीकार तो कर लिया, लेकिन उससे लड़ने की तैयारी अब भी अधूरी है।

इस बदलते दौर का सबसे भारी असर आम लोगों की जिंदगी पर दिख रहा है, जहां रोजमर्रा अब सहज नहीं, संघर्ष बन गई है। एक साधारण परिवार के लिए पानी बचाना, बिजली संभालना और स्वास्थ्य सुरक्षित रखना लगातार चुनौती है। बच्चों का बाहर खेलना घट गया है, बुजुर्गों के लिए बाहर निकलना जोखिम भरा है और कामकाजी लोगों के लिए काम की गति बनाए रखना कठिन हो रहा है। यह सिर्फ पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी गहरा कर रहा है—जहां साधन वाले खुद को बचा लेते हैं, वहीं कमजोर वर्ग पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

सबसे अहम सवाल यही है कि क्या हम सब कुछ देखते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं? लगातार चेतावनियां सामने हैं—बढ़ता तापमान, वैज्ञानिक रिपोर्टें, मौसम के संकेत—सब एक ही खतरे की ओर इशारा कर रहे हैं। इसके बावजूद हमारी प्रतिक्रिया अक्सर सतही ही रहती है। हम तात्कालिक राहत के उपाय अपनाते हैं, जैसे ठंडक के लिए एसी या पानी का अस्थायी इंतजाम, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने से बचते हैं। यह सोच हमें कुछ समय जरूर दे सकती है, पर समस्या का हल नहीं।

अब जरूरत है कि इस संकट को पूरी गंभीरता से स्वीकार कर ठोस बदलाव की दिशा में आगे बढ़ा जाए। स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना, जल संरक्षण को प्राथमिकता देना, हरित क्षेत्र बढ़ाना और नीतियों में सख्ती लाना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता बन चुके हैं। साथ ही हर व्यक्ति की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि छोटे प्रयास मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। अगर अब भी हम नहीं चेते, तो आने वाले समय में यह संकट और गहरा जाएगा। मार्च 2026 की यह तपिश केवल एक मौसम नहीं, बल्कि भविष्य का संकेत है—अब तय हमें करना है कि हम इसे चेतावनी समझते हैं या अपनी नियति।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

संपादकीय

मोदी का लंबा नेतृत्व और बदलता भारत का नया दौर

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में कुछ ऐसे क्षण आते हैं जो इतिहास का स्थायी हिस्सा बन जाते हैं। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पड़ाव तब सामने आया जब नरेंद्र मोदी देश में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों को मिलाकर 8931 दिनों तक शासन का नेतृत्व करना केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के बदलते स्वरूप का भी संकेत है। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पवन कुमार चामलिंग के लंबे समय तक बने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जो स्वयं स्थिर शासन और विकास के प्रतीक माने जाते रहे हैं।

नरेंद्र मोदी का यह सफर साधारण परिस्थितियों से शुरू होकर असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचने की कहानी है। वडनगर जैसे छोटे शहर से निकलकर देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद तक पहुंचना यह दर्शाता है कि भारतीय लोकतंत्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। बचपन में आर्थिक कठिनाइयों का सामना करते हुए उन्होंने जो जीवन जिया, वही उनके व्यक्तित्व की दृढ़ता और संघर्षशीलता की नींव बना। कम उम्र में सामाजिक और राष्ट्रीय गतिविधियों से जुड़ना और आगे चलकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ काम करना उनके नेतृत्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राजनीति में उनका उदय धीरे-धीरे लेकिन मजबूत आधार के साथ हुआ। संगठन में काम करते हुए उन्होंने रणनीति, प्रबंधन और जनसंपर्क की गहरी समझ विकसित की। लालकृष्ण आडवाणी जैसे वरिष्ठ नेताओं के साथ काम करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। बाद में भारतीय जनता पार्टी में उनकी भूमिका लगातार मजबूत होती गई और संगठनात्मक क्षमता के कारण उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई।

साल 2001 में जब उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला, तब राज्य कई चुनौतियों से गुजर रहा था। लेकिन उनके नेतृत्व में राज्य ने विकास की एक नई दिशा पकड़ी। बुनियादी ढांचे का विस्तार, उद्योगों को बढ़ावा, कृषि सुधार और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे कदमों ने गुजरात को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल कर दिया। लगातार चार बार मुख्यमंत्री बनना इस बात का प्रमाण है कि जनता ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया।

गुजरात में लंबे अनुभव के बाद 2014 में नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखा और भारी बहुमत के साथ देश के प्रधानमंत्री बने। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि शासन के दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत भी था। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार ने विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक पहचान को प्रमुखता दी। बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर डिजिटल क्रांति तक, कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां परिवर्तन स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के समय देश के सामने अभूतपूर्व चुनौती थी। इस कठिन दौर में सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, टीकाकरण अभियान को तेज करने और आर्थिक गतिविधियों को पुनः पटरी पर लाने के लिए अनेक प्रयास किए। यह समय नेतृत्व की परीक्षा का था, जिसमें निर्णय क्षमता और समन्वय की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय संकटों के दौरान विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के प्रयास भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल रहे।

महिला सशक्तिकरण, सामाजिक कल्याण और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में भी कई योजनाएं चलाई गई। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों ने समाज में जागरूकता बढ़ाने का काम किया। किसानों के लिए योजनाएं, गरीबों के लिए आवास और स्वच्छता अभियान जैसे प्रयासों ने जीवन स्तर सुधारने में भूमिका निभाई। सरकार की नीतियों का उद्देश्य केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक परिवर्तन को भी गति देना रहा है।

वर्तमान समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष और अस्थिरता का माहौल है, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिरता के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है। यह स्थिरता केवल नीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक दृष्टि और प्रशासनिक निरंतरता का भी प्रभाव है। लंबे समय तक एक ही नेतृत्व का बने रहना कई बार नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक होता है।

हालांकि लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए विचारों का संतुलन और आलोचना भी आवश्यक होती है। लेकिन यह भी सत्य है कि मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट दिशा देश को तेजी से आगे बढ़ाने में सहायक होती है। नरेंद्र मोदी का लंबा कार्यकाल इस बात का उदाहरण है कि यदि नेतृत्व निरंतरता के साथ काम करे, तो वह व्यापक परिवर्तन ला सकता है।

आज का भारत कई मायनों में बदलता हुआ नजर आता है। विकास, तकनीक, वैश्विक पहचान और आत्मविश्वास के क्षेत्र में देश ने नई ऊंचाइयों को छूने का प्रयास किया है। यह परिवर्तन एक दिन में नहीं हुआ, बल्कि लगातार प्रयासों और नीतियों के माध्यम से संभव हुआ है। नरेंद्र मोदी का यह लंबा राजनीतिक सफर केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उस बदलाव की कहानी भी है जिसे भारत ने पिछले दो दशकों में महसूस किया है। इस प्रकार मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय तक शासन करने का रिकॉर्ड केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह उस निरंतरता, दृष्टि और कार्यशैली का प्रतीक है जिसने भारतीय राजनीति और शासन व्यवस्था को एक नया आयाम दिया है।

कांतिलाल मांडोत वरिष्ठ पत्रकार

शक्ति, साधना और आत्म जागरण का महापर्व है – चैत्र नवरात्रि

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल उत्सव नहीं होते, वे जीवन को दिशा देने वाले आध्यात्मिक सूत्र होते हैं। चैत्र नवरात्रि भी ऐसा ही एक महापर्व है, जो शक्ति, साधना और आत्म जागरण का संदेश लेकर आता है। वैदिक परंपरा के अनुसार, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नववर्ष का आरम्भ होता है, जिसे गुड़ी पड़वा के रूप में भी मनाया जाता है। यही वह कालखंड है, जब प्रकृति नवजीवन धारण करती है और मनुष्य को भी अपने भीतर नई ऊर्जा का संचार करने का अवसर मिलता है। चैत्र नवरात्रि के नौ दिन केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह आत्मशुद्धि, अनुशासन और आत्मबल अर्जित करने का सशक्त माध्यम हैं। माँ दुर्गा की उपासना के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर की नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने का संकल्प लेता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि असली शक्ति बाहरी साधनों में नहीं, बल्कि हमारे अंतःकरण की पवित्रता और दृढ़ संकल्प में निहित है। इस नवरात्रि का महत्व इसलिए भी विशेष है कि इसी काल में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्म हुआ था। राम ने भी लंका विजय से पूर्व माँ दुर्गा की आराधना कर यह सिद्ध किया कि बिना शक्ति साधना के कोई भी महान लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनकी भक्ति और समर्पण इस बात का प्रतीक है कि जब मनुष्य पूर्ण श्रद्धा से साधना करता है, तो स्वयं दिव्य शक्ति भी उसका मार्ग प्रशस्त करती है। आज के दौर में नवरात्रि की वास्तविक भावना कहीं न कहीं बाहरी आडंबरों में खोती जा रही है। उपवास और पूजा का स्वरूप दिखावे तक सीमित होता जा रहा है, जबकि इसका मूल उद्देश्य आत्मसंयम और अंतर्मन की शुद्धि है। सच्चा व्रत वही है, जो शरीर को नहीं, बल्कि मन को अनुशासित करे। ब्रह्म मुहूर्त में उठकर शुद्ध भाव से किया गया संकल्प ही साधना को सार्थक बनाता है।

दुर्गा सप्तशती का पाठ, मंत्र जाप और सात्विक जीवनशैली केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा को जागृत करने के प्रभावी साधन हैं। महर्षि मार्कण्डेय द्वारा वर्णित सप्तशती के 700 श्लोक आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, क्योंकि वे मनुष्य को भय, भ्रम और नकारात्मकता से मुक्त कर आत्मविश्वास और शांति प्रदान करते हैं। विशेष रूप से आज की युवा पीढ़ी के लिए यह पर्व एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आता है। आधुनिक तकनीक और मोबाइल आधारित जीवनशैली ने मनुष्य को बाहरी रूप से तो सक्षम बनाया है, लेकिन आंतरिक रूप से वह विचलित और अस्थिर होता जा रहा है। ऐसे में नवरात्रि के नौ दिन आत्मचिंतन, संयम और आत्मबल को पुनः जागृत करने का स्वर्णिम अवसर हैं। यदि युवा इन दिनों में थोड़ी देर के लिए भी आभासी दुनिया से दूरी बनाकर आध्यात्मिक जीवन को अपनाएं, तो वे स्वयं में आश्चर्यजनक सकारात्मक परिवर्तन अनुभव कर सकते हैं। भारत की शक्ति केवल उसकी तकनीकी प्रगति में नहीं, बल्कि उसकी आध्यात्मिक विरासत में निहित है। यही कारण है कि हजारों वर्षों पूर्व हमारे ऋषि-मुनियों ने चैत्र नवरात्रि से नववर्ष की शुरुआत का विधान किया, ताकि मनुष्य वर्ष के प्रारंभ में ही अपने मन, बुद्धि और आत्मा को संतुलित कर सके। अंततः चैत्र नवरात्रि हमें यह सिखाती है कि जीवन में सफलता, शांति और समृद्धि प्राप्त करने के लिए बाहरी संसाधनों से अधिक आवश्यक है आंतरिक शक्ति का जागरण। जब मनुष्य अपने भीतर की दिव्य ऊर्जा को पहचान लेता है, तभी वह सच्चे अर्थों में विजयी बनता है।

अरविंद रावल

तेरह साल का इंतज़ार और एक कठिन विदाई

मानव जीवन की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि कभी-कभी जीवन और मृत्यु के बीच की रेखा बहुत धुंधली हो जाती है। सामान्यतः हम जीवन को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, क्योंकि जीवन को ईश्वर का सबसे बड़ा उपहार माना जाता है। लेकिन कुछ परिस्थितियाँ ऐसी भी होती हैं जब जीवन केवल सांसों का चलना भर रह जाता है और उसमें चेतना, संवाद और मानवीय गरिमा लगभग समाप्त हो जाती है। हाल के दिनों में चर्चा में आए हरीश राणा का मामला इसी विडंबना का एक अत्यंत मार्मिक उदाहरण बनकर सामने आया है। यह केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं है, बल्कि यह चिकित्सा, कानून, नैतिकता और मानवीय संवेदनाओं के जटिल प्रश्नों को सामने लाने वाली घटना है।

हरीश राणा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के रहने वाले एक युवा थे। वर्ष 2013 में एक दुर्घटना ने उनका जीवन पूरी तरह बदल दिया। बताया जाता है कि वह पढ़ाई के दौरान एक इमारत की चौथी मंजिल से गिर गए थे, जिसके कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई और वह स्थायी कोमा जैसी अवस्था में चले गए। इस स्थिति को चिकित्सा भाषा में 'पर्सिस्टेंट वेजिटेटिव स्टेट' कहा जाता है, जिसमें व्यक्ति जीवित तो रहता है, लेकिन उसके मस्तिष्क की चेतन क्रियाएँ लगभग समाप्त हो जाती हैं। वह न बोल सकता है, न चल सकता है, न अपने आसपास की दुनिया को समझ सकता है। हरीश पिछले तेरह वर्षों तक इसी अवस्था में जीवन और मृत्यु के बीच झूलते रहे।

इन वर्षों में उनका जीवन केवल चिकित्सा उपकरणों, दवाइयों और कृत्रिम पोषण के सहारे चल रहा था। परिवार ने उनकी देखभाल में कोई कमी नहीं छोड़ी। माता-पिता ने अपने बेटे को जीवित रखने के लिए हर संभव प्रयास किया। कई अस्पतालों में इलाज कराया गया, विशेषज्ञ डॉक्टरों से सलाह ली गई, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं आया। समय बीतने के साथ-साथ यह स्पष्ट होता गया कि अब उनके ठीक होने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी है। डॉक्टरों ने भी यही राय दी कि मस्तिष्क को हुई गंभीर क्षति के कारण उनका सामान्य जीवन में लौटना लगभग असंभव है।

किसी भी माता-पिता के लिए यह स्थिति अत्यंत पीड़ादायक होती है। एक ओर उनके सामने अपने बच्चे को खो देने का भय होता है, तो दूसरी ओर उसे इस तरह निर्जीव अवस्था में वर्षों तक देखना भी कम कष्टदायक नहीं होता। हरीश राणा के परिवार ने लगभग तेरह वर्षों तक इस पीड़ा को सहा। उन्होंने अपने बेटे की सेवा में दिन-रात बिताए, लेकिन अंततः यह प्रश्न उनके सामने खड़ा हो गया कि क्या केवल सांस चलना ही जीवन कहलाता है। जब किसी व्यक्ति की चेतना समाप्त हो जाए, जब वह अपने अस्तित्व का अनुभव भी न कर सके, तब क्या उसे कृत्रिम साधनों के सहारे जीवित रखना मानवीय है या अमानवीय?

इन्हीं सवालों के साथ हरीश के परिवार ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने न्यायालय से अनुरोध किया कि उनके बेटे को 'इच्छा मृत्यु' अर्थात् पैसिव यूथेनेशिया की अनुमति दी जाए। यह एक अत्यंत संवेदनशील और जटिल कानूनी विषय है। भारत में सक्रिय इच्छामृत्यु यानी किसी व्यक्ति को जानबूझकर दवा देकर मृत्यु देना कानूनन अवैध है। लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में 'पैसिव यूथेनेशिया' की अनुमति दी जा सकती है, जिसमें जीवन को कृत्रिम रूप से बनाए रखने वाले उपचार या उपकरणों को हटाया जाता है और मरीज को प्राकृतिक रूप से मृत्यु आने दी जाती है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए हरीश राणा के जीवन-रक्षक उपचार को हटाने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने यह निर्णय सुनाया। अदालत ने कहा कि व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने का अधिकार है, और उसी प्रकार गरिमा के साथ मरने का अधिकार भी मानवीय अधिकारों का हिस्सा है। अदालत ने निर्देश दिया कि उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती किया जाए और चिकित्सा विशेषज्ञों की देखरेख में पैसिव यूथेनेशिया की प्रक्रिया अपनाई जाए।

इस निर्णय के बाद जब हरीश राणा को एम्स ले जाया जा रहा था, तब परिवार के बीच अत्यंत भावुक दृश्य देखने को मिला। परिवार के लोग उनके पास खड़े होकर उन्हें विदा दे रहे थे। एक आध्यात्मिक कार्यकर्ता ने उनके पास खड़े होकर कहा, 'सबको माफ करते हुए, सबसे माफी मांगते हुए अब जाओ।' यह शब्द केवल एक व्यक्ति के लिए विदाई नहीं थे, बल्कि जीवन की गहरी सच्चाइयों को व्यक्त करने वाले शब्द थे। उस क्षण में वर्षों की पीड़ा, संघर्ष, आशा और निराशा सब एक साथ दिखाई दे रहे थे।

यह घटना केवल एक परिवार की निजी त्रासदी नहीं है। इसने पूरे देश में एक नई बहस को जन्म दिया है। सवाल यह है कि क्या जीवन को हर कीमत पर बनाए रखना आवश्यक है, या फिर कभी-कभी व्यक्ति की गरिमा और पीड़ा को देखते हुए उसे प्राकृतिक मृत्यु की अनुमति देना अधिक मानवीय हो सकता है। चिकित्सा विज्ञान का उद्देश्य जीवन को बचाना है, लेकिन जब जीवन केवल कृत्रिम उपकरणों पर निर्भर रह जाए और उसमें चेतना का कोई संकेत न हो, तब डॉक्टरों और परिवार के सामने नैतिक दुविधा खड़ी हो जाती है।

इस मामले ने यह भी दिखाया कि चिकित्सा निर्णय केवल वैज्ञानिक नहीं होते, बल्कि उनमें गहरी मानवीय संवेदनाएँ भी शामिल होती हैं। डॉक्टरों के लिए भी यह आसान निर्णय नहीं होता कि किसी मरीज के जीवन-रक्षक उपकरण हटाए जाएँ। इसलिए ऐसी स्थितियों में कई स्तरों पर चिकित्सकीय और कानूनी समीक्षा की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि निर्णय पूरी तरह मानवीय, नैतिक और कानूनी आधार पर लिया गया है।

हरीश राणा का मामला भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ी बहस के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। इससे पहले भी 'अरुणा शानबाग' जैसे मामलों ने इस विषय पर चर्चा को जन्म दिया था। लेकिन हरीश राणा का मामला इसलिए अलग है क्योंकि इसमें अदालत ने पहली बार स्पष्ट रूप से जीवन-रक्षक उपचार हटाने की अनुमति दी और इसे 'गरिमा के साथ मृत्यु' के अधिकार से जोड़ा इस घटना का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि इसमें किसी प्रकार की सनसनी नहीं है, बल्कि केवल मानवीय पीड़ा और करुणा है। एक परिवार ने अपने बेटे को तेरह वर्षों तक संभालकर रखा, उम्मीद की कि शायद कोई चमत्कार हो जाए। लेकिन जब यह स्पष्ट हो गया कि वह कभी सामान्य जीवन में वापस नहीं लौट पाएगा, तब उन्होंने भारी मन से उसे मुक्त करने का निर्णय लिया। यह निर्णय लेना किसी भी माता-पिता के लिए शायद दुनिया का सबसे कठिन निर्णय होता है।

जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि वह अनिश्चित है। कभी-कभी जीवन हमें ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करता है जहाँ कोई भी विकल्प आसान नहीं होता। हरीश राणा की कहानी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि जीवन केवल सांसों का नाम नहीं है, बल्कि चेतना, अनुभव और सम्मान के साथ जीने का नाम है। जब ये सब समाप्त हो जाएँ, तब शायद मृत्यु भी एक प्रकार की मुक्ति बन जाती है। इस घटना ने समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। यह संदेश करुणा, संवेदना और मानवीय गरिमा का है। यह हमें याद दिलाता है कि कानून और चिकित्सा के निर्णय केवल नियमों से नहीं, बल्कि मनुष्यता की गहराई से भी जुड़े होते हैं। हरीश राणा की कहानी अंततः हमें यही सिखाती है कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम है और कभी-कभी प्रेम का सबसे कठिन रूप किसी प्रिय व्यक्ति को शांति से विदा कर देना भी होता है।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

पूर्वांचल के पारंपरिक व्यंजनों का नया केंद्र- काशीवन जलपान भवन का शुभारंभ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पूर्वांचल के पारंपरिक स्वाद और सांस्कृतिक विरासत को लखनऊ में साकार करते हुए काशीवन जलपान भवन का भव्य शुभारंभ सहारा प्लाजा, पत्रकारपुरम, गोमतीनगर में सम्पन्न हुआ। संस्थान का शुभारंभ, लखनऊ पूर्व के विधायक ओ.पी. श्रीवास्तव ने अपने कर-कमलों द्वारा फीता काट कर किया। शुभारंभ समारोह में शहर की अनेक जानी-मानी हस्तियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित अतिथियों ने काशीवन जलपान भवन द्वारा तैयार किए गए विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया और उनकी गुणवत्ता एवं विशिष्टता की सराहना की। संस्थान के संस्थापक अभिषेक सिंह ने बताया कि काशीवन जलपान भवन में खालिस बनारसी एवं पूर्वांचली स्वाद के व्यंजन जैसे कचौड़ी, समोसा, फरा, टमाटर चाट, सत्तू पराठा, बाटी-चोखा सहित अन्य पारंपरिक पकवान उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल लखनऊवासियों को पूर्वी उत्तर प्रदेश के असली स्वाद से परिचित कराएगी, बल्कि क्षेत्रीय खान-पान संस्कृति को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने आगे बताया कि संस्थान की प्राथमिकता स्वच्छता, गुणवत्ता और किफायती दरों पर उत्कृष्ट स्वाद उपलब्ध कराना है, ताकि हर वर्ग के लोग पारंपरिक व्यंजनों का आनंद ले सकें।

खेत के खंभे उखाड़ने का आरोप, दो के खिलाफ केस दर्ज

लालगंज (रायबरेली) कोतवाली क्षेत्र के बेहट्य कला गांव निवासी एक किसान ने खेत में लगे खंभे उखाड़ने का आरोप लगाया है। पीड़ित किसान शशिकांत शुक्ला ने पुलिस को तहरीर देकर दो लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। किसान के अनुसार, पहले पुलिस व राजस्व टीम की मौजूदगी में खेत की पत्थरगड़ी कराई गई थी। इसके बाद फसल को जानवरों से बचाने के लिए चारों ओर खंभे लगाए गए थे।आरोप है कि बाजपेई खेड़ा गांव के संजय ,शंकर और सतीश ने खंभे उखाड़कर फेंक दिए। विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी भी दी गई।पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

लखनऊ नगर निगम का बजट पास, जनता पर कोई नया टैक्स नहीं

लखनऊ- महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता वाली कार्यकारिणी समिति ने लखनऊ नगर निगम (LMC) का वित्तीय वर्ष 2026-27 का कुल 4,692.71 करोड़ का बजट बिना विस्तृत चर्चा के महज 45 मिनट में पारित कर दिया। बजट में न तो कोई नया टैक्स लगाया गया है और न ही मौजूदा करों या गृहकर की दरों में कोई वृद्धि की गई है। नगर आयुक्त गौरव कुमार द्वारा प्रस्तुत बजट में अनुमानित आय 3,293.35 करोड़ और व्यय 3,292.93 करोड़ रखा गया है। पिछले वर्ष के क्लोजिंग बैलेंस 1,399.36 करोड़ को ओपनिंग बैलेंस के रूप में शामिल करने के बाद कुल बजट यह आंकड़ा पहुंचा है। केंद्रीय एवं राज्य योजनाओं के तहत 981 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

बजट की प्रमुख विशेषताएं

स्वच्छता एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर सबसे अधिक फोकसः लगभग 300-400 करोड़ आवंटित। डोर- टू- डोर कूड़ा संग्रहण, निस्तारण और सफाई व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर।, सड़क निर्माण एवं मरम्मतः 271 करोड़।, विकास कार्यों के लिए 1,534 करोड़ का प्रावधान (सड़कें, नाले, पार्क, स्ट्रीट लाइट्स आदि)।, सभी 110 वार्डों में मॉडल वेंडिंग जोन विकसित करने का प्लान।, गृहकर में राहतः जून तक ऑनलाइन जमा करने पर 10% और ऑफलाइन पर 8% की छूट।, पार्षद वार्ड विकास निधि और महापौर/नगर आयुक्त विकास निधि पिछले स्तर पर बरकरार। पिछले कार्यों की लगभग 405 करोड़ की देनदारी को शामिल किया गया, जिसके कारण विकास मद में कुछ कटौती हुई है। महापौर सुषमा खर्कवाल ने बजट को जनहितकारी बताते हुए कहा कि इसे शहर के समग्र विकास, बेहतर सफाई, मजबूत आधारभूत ढांचे और राजस्व वृद्धि को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने अगले वर्ष का बजट नए नगर निगम भवन में पेश करने की बात भी कही।

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि भूखण्ड सं.-10, योजनान्तर्गत इस्माइलगंज, लखनऊ, खसरा नं. 1139 का मिनजुमला, रकबा 1800 वर्गफुट से संबंधित मूल पंजीकृत बैनामा, जो बही सं. 1, जिल्द सं. 2893, पृष्ठ 43 से 66, क्रमांक सं. 2702 पर कार्यालय मुख्य निबंधक, लखनऊ में दिनांक 30.05.1995 को पंजीकृत है, दिनांक 18.03.2026 को सुरेन्द्र नगर से कमता जाते समय बाइक से गिरकर कहीं खो गया है।

उक्त दस्तावेज़ काफी खोजबीन के बावजूद प्राप्त नहीं हो सका। यदि किसी सज्जन को यह बैनामा मिले, तो कृपया नीचे दिए गए मो0 नम्बर पर संपर्क करने का कष्ट करे। 9794639040

खेमकरण इंटर कॉलेज में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का किया गया सफल आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

लहरपुर सीतापुर क्षेत्र में सामाजिक पंजीकृत संस्था शिव शक्ति सनातन सेवा समिति के तत्वाधान में रविवार को स्थानीय खेमकरन इंटर कॉलेज प्रांगण में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। बताते चलें कि वर्ष 2015 में स्थापित यह संस्था पिछले एक दशक से 'छोटी काशी' के नाम से प्रसिद्ध गोला गोकर्णनाथ स्थित शिव मंदिर में कांवड़ लेकर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन करती आ रही है। इसके साथ ही संस्था पिछले दो वर्षों से सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजित कर रही है, जिससे विद्यार्थियों में बौद्धिक विकास और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिल सके। रविवार को आयोजित इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के खेमकरन इंटर कॉलेज, मॉडर्न पब्लिक स्कूल, वीडीएनडी पब्लिक स्कूल, जुगल किशोर गोविंद प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, लक्ष्मी पब्लिक इंटर कॉलेज, ओमकमल पब्लिक इंटर कॉलेज, ओएनजीसी पब्लिक स्कूल, मिलेनियम पब्लिक स्कूल तथा लहरपुर विद्यापीठ इंटर कॉलेज सहित लगभग एक दर्जन विद्यालयों के 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्य अतिथियों–हरीश रस्तोगी (गोलू भैया), वीरेंद्र पुरी, राजेश्वर दयाल रस्तोगी, अरुण सिंह आचार्य, दिव्य कृष्ण मिश्रा, डॉ. आकाश शुक्ला, अरुण कुमार नाग एवं संजय शुक्ला–द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। प्रतियोगिता में लक्ष्मी पब्लिक स्कूल के छात्र राज शुक्ला ने प्रथम स्थान प्राप्त कर साइकिल पुरस्कार स्वरूप प्राप्त की। वहीं विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र महीप कुमार को ट्रॉली बैग तथा ओएनजीसी स्कूल की छात्रा आरिफा को सीलिंग फैन देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी आशीष शुक्ला, अनिमेष श्रीवास्तव, नितिन मिश्रा, मनीष शुक्ला, प्रशांत शुक्ला, अजय गुप्ता, मनोज तिवारी, अमित गुप्ता, आकाश वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता एवं सदस्य मौजूद रहे।

महिलाओं को सुरक्षा और अधिकारों की दी जानकारी

लालगंज (रायबरेली)। मिशन शक्ति अभियान के तहत रविवार को पुलिस टीम ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को जागरूक किया। टीम ने मंदिर, अस्पताल और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर पंपलेट बांटे और महिलाओं से सीधे संवाद किया। मिशन शक्ति की प्रभारी एसआई अर्चना यादव के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने महिलाओं को सुरक्षा से जुड़े 1090, 112, 102, 1076 और 1930 जैसे टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी। महिलाओं को बताया कि किसी भी आपात स्थिति में इन नंबरों पर तुरंत सहायता मिल सकती है। टीम ने महिलाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्हें आत्मनिर्भर बनने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत लगातार गांव-गांव जाकर महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के जरिए महिलाओं को सुरक्षित, सशक्त और आत्मविश्वासी बनाया जा रहा है।

सीतापुर में 5.5 लाख की टप्पेबाजी का खुलासा, दतिया का 'लेडी गैंग' पुलिस की गिरफ्त में

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुरः जनपद के तम्बौर कस्बे में बीते मंगलवार को हुई 5.5 लाख रुपये की बड़ी टप्पेबाजी की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। लखनऊ जोन के तेज-तर्रार थाना प्रभारी (तम्बौर) ब्रजेश राय और स्व्हत टीम ने एक संयुक्त ऑपरेशन में अंतर्राज्यीय 'डेरा डाल' गैंग का पर्दाफाश करते हुए कुल 15 सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

महिलाएं थीं गिरोह की 'मास्टरमाइंड'

इस गैंग की सबसे बड़ी विशेषता इसमें शामिल महिलाओं का भारी समूह है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मध्य प्रदेश के दतिया से ताल्लुक रखने वाली ये महिलाएं भीड़भाड़ वाले बाजारों और बैंकों के बाहर रेकी करती थीं। अपनी वेशभूषा और मासूमियत का फायदा उठाकर ये बेहद सफाई से लोगों के पैसे और कीमती सामान पार कर देती थीं।

ऑपरेशन 'क्लीन स्वीप' के मुख्य बिंदुः सटीक घेराबंदीः मंगलवार की घटना के बाद से ही तम्बौर पुलिस और स्वाट/स्व्हत टीम सक्रिय थी। मुखबिर और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गैंग के ठिकाने पर दबिश दी गई।

बरामदगीः पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से लूटी गई राशि का बड़ा हिस्सा और चोरी के अन्य सामान बरामद किए हैं।

एसपी का बड़ा खुलासाः पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि यह गैंग केवल सीतापुर ही नहीं, बल्कि यूपी के कई अन्य जिलों में भी सक्रिय था। पकड़े गए 15 सदस्यों से पूछताछ में कई अन्य वारदातों के सुराग भी मिले हैं।

जनता में बढ़ी पुलिस की साख

तम्बौर पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र के व्यापारियों और आम जनता में सुरक्षा का भाव जागा है। थाना प्रभारी ब्रजेश राय और उनकी टीम की इस सफलता पर पुलिस मुख्यालय द्वारा भी सराहना की जा रही है।

नवनिर्माण के 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेलीः- उत्तर प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आर0डी0ए0 के सामुदायिक केंद्र, रतापुर में 09 दिवसीय मेले/प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में आज मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया गया एवं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य), स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

सूचना एवं सांस्कृतिक विभाग के पंजीकृत दलों द्वारा कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इन नौ वर्षों में प्रदेश सरकार ने सुशासन की एक प्रगतिपूर्ण यात्रा तय की है। सरकार ने कानून के राज, उत्सव, समाधान और आत्मविश्वास के रुप में उत्तर प्रदेश को एक नयी पहचान दिलायी हैं। वर्ष 2017 से वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के पश्चात सरकार ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए अनेक प्रगतिशील कार्य किये हैं। उत्तर प्रदेश अब उत्सव प्रदेश, प्रगति प्रदेश एवं निवेश प्रदेश बन चुका हैं तथा युवाओ के लिए रोजगार और विकास के नये-नये आयाम खोजे जा रहे हैं, जिससे वह प्रदेश की उपलब्धि और प्रगति में भागीदार बन सकें। उत्तर प्रदेश में विगत नौ वर्षो की यात्रा एवं सुशासन के युग में बेटियां पूर्णरुप से सुरक्षित एवं निर्भीक होकर किसी भी समय सुगमतापूर्वक आवागमन कर रही, यह हमारे लिए अत्यधिक हर्ष की बात है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा द्वारा भी मिशन शक्ति 05 के तहत चलाए जा रहे अभियान के बारे में जानकारी दी तथा प्रोबेशन व महिला कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं और लाभ परक योजनाओं के बारे में उपस्थित लाभार्थियों को विस्तार पूर्वक बताया गया। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संतोष कुमार गौतम, जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन वंदना सिंह सहित संबंधित कार्मिक व लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

बिसवां, सीतापुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भगवानपुर माफी निवासी साहिल (18) पुत्र तबस्सुम रविवार को घर से टहलने के लिए निकला था। इसी दौरान बिसवां-सीतापुर मार्ग पर भारत पेट्रोल पंप के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। घटना के बाद ग्रामीणों ने घायल साहिल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां ले जाने का प्रयास किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई। ग्रामीणों के अनुसार मृतक युवक मूक-बधिर था। प्रभारी निरीक्षक राम राघव सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन की पहचान करने में जुटी है।

अमेठी भाजपा जिला कार्यकारिणी की घोषणा

● विशुभ मिश्रा को महामंत्री, प्रभात शुक्ला को मिली जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी, हिंदेश सिंह भी बनाए गए जिला उपाध्यक्ष, आशा वाजपेई को मिली जिला मंत्री की जिम्मेदारी

कई नए चेहरों को मिली जिम्मेदारी

स्वतंत्र प्रभात

अमेठी। भारतीय जनता पार्टी अमेठी में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने प्रदेश नेतृत्व की संस्तुति के बाद नई टीम का ऐलान किया।जारी सूची के अनुसार, विशुभ मिश्रा को जिला महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं प्रभात शुक्ला और हिंदेश सिंह को जिला उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही आशा वाजपेई को जिला मंत्री नियुक्त किया गया है अन्य कई चेहरे को भी महामंत्री, जिला उपाध्यक्ष एवं जिला मंत्री की जिम्मेदारी दी गई साथ-साथ कई लोगों को जिला कार्य समिति का सदस्य भी बनाया गया।जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने के लिए यह टीम अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी पदाधिकारी संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन- जन तक पहुंचाने में सक्रिय योगदान देंगे।बताया गया कि प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति के उपरांत यह कार्यकारिणी घोषित की गई है, जिससे संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।नवनियुक्त पदाधिकारियों के समर्थकों में भी खुशी का माहौल देखने को मिला और कार्यकर्ताओं ने नेतृत्व के इस निर्णय का स्वागत किया।

ग़ाज़ियाबाद से मुंबई तकः सिविल इंजीनियर नित्यानंद तुषार अब बॉलीवुड के गीतकार

● 'मोहब्बत तेरी' से शुरू हुई नई उड़ान

स्वतंत्र प्रभात

सचिन बाजपेई

लखनऊ- तुषार जी पेशे से सिविल इंजीनियर, लेकिन दिल से शायर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के एक छोटे से गाँव से निकलकर ग़ाज़ियाबाद होते हुए मुंबई तक पहुँचे नित्यानंद तुषार (असली नामः एर. नित्यानंद शर्मा) अब हिंदी सिनेमा की दुनिया में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संगीत लेबल 'सुर म्यूजिक' ने उन्हें अपने पहले गीत 'मोहब्बत तेरी' का गीतकार चुना है। जुलाई 2025 में मुंबई के जुहू स्थित पाँच सितारा होटल जेडब्ल्यू मैरियट में हुए भव्य लॉन्च इवेंट में पद्मविभूषण पंडित हरि प्रसाद चौरसिया, पद्मश्री हरिहरन, जावेद अली, रूप कुमार राठौड़, सुनाली राठौड़ और पटकथा लेखक रूमी जाफरी जैसी हस्तियों की मौजूदगी में उनकी ग़ज़ल 'याद आती है मुझे अब भी मोहब्बत तेरी' को संगीतबद्ध किया गया। महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री आशीष शेलार मुख्य अतिथि रहे। यह उपलब्धि महज एक गीत तक सीमित नहीं है। नित्यानंद तुषार की यह सफलता उनके 60 वर्षों की साहित्यिक यात्रा का स्वाभाविक परिणाम है। 31 अक्टूबर 1963 को बुलंदशहर के सिकंदराबाद तहसील के ग्राम देवटा में जन्मे तुषार के पिता कांति प्रसाद शर्मा उत्तर प्रदेश सहकारी समितियों के उप मुख्य लेखा परीक्षक थे। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश में निर्माण कार्यों में तीन दशक से अधिक समय बिताया। ग़ाज़ियाबाद के प्रताप विहार में लंबे समय तक रहने वाले तुषार अब सेवानिवृत्ति के बाद मुंबई में बस गए हैं। लेकिन उनकी दोहरी पहचान - इंजीनियर और शायर - कभी अलग नहीं हुई।

साहित्यिक सफरः 7 ग़ज़ल संग्रह और अनगिनत काव्य पाठ

तुषार ने अब तक सात ग़ज़ल संग्रह प्रकाशित किए हैं - 'दूरियों के दिन', 'सितम की उम्र छोटी है', 'वो ज़माने अब कहाँ', 'हम कहाँ हैं', 'अगर साथ दो', 'तेरे बग़ैर' और 'खुद ब खुद'। इसके अलावा उन्होंने आठ किताबों का संपादन भी किया, जिसमें 'खूबसूरत ग़ज़लें', 'बे-मिसाल ग़ज़लें', 'आधुनिक ग़ज़लें', 'दीवान-ए-ग़ालिब' और डॉ. उर्मिलेश, डॉ. कुँवर बेचैन, डॉ. शिव ओम अम्बर तथा दाग़ की ग़ज़लों के चयन शामिल हैं। उनकी रचनाएँ 'कादम्बिनी', 'सरिता', 'साप्ताहिक हिंदुस्तान', 'हंस', 'साहित्य अमृत', 'अमर उजाला', 'दैनिक जागरण' जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में नियमित रूप से प्रकाशित होती रहीं।

1979 में आकाशवाणी दिल्ली की 'युववाणी' से शुरुआत करने वाले तुषार ने दिल्ली, मुंबई, लखनऊ आकाशवाणी और दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल डीडी-1 पर कई बार काव्य पाठ किया। सब टीवी के 'वाह वाह' शो में उनकी शेर सुनकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। एनडी टीवी, दबंग टीवी, धमाल टीवी, डीडी उर्दू नेशनल और लखनऊ दूरदर्शन सहित अनेक चैनलों पर उनकी ग़ज़लें प्रसारित हुई। देश भर के कवि सम्मेलनों और मुशायरों में वे नियमित अतिथि रहे। ग़ालिब अकादमी, दिल्ली में भी उन्होंने अपनी रचनाएँ पढ़ीं।

बॉलीवुड में पहला कदम और रेड एफएम पर नंबर-1

दिसंबर 2023 में संगीतकार शमीर टंडन और गायिका निकिता गांधी के साथ उनका गीत 'मैंने कुछ समझा नहीं' ज़ी म्यूजिक कंपनी के बैनर तले रिलीज हुआ। ग़ज़ल की ये पंक्तियाँ - 'मैंने कुछ समझा नहीं था, तुमने कुछ सोचा नहीं' - रेड एफएम की 'टॉप इंडी ग़ज़ल 2023' सूची में प्रथम स्थान पर रही। गीत को लता मंगेशकर स्टूडियो और अंधेरी वेस्ट के कृष्णा स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया। इस सफलता के बाद 'सुर म्यूजिक' (लॉस एंजिल्स, अमेरिका आधारित लेबल, राजीव महावीर और सुवर्णा पप्पू द्वारा स्थापित) ने उन्हें अपना पहला सॉन्ग 'मोहब्बत तेरी' के लिए चुना। गायिका सोहिनी डे और संगीतकार राजीव महावीर के साथ यह गीत बॉलीवुड-हॉलीवुड के बीच पुल बनाने वाले लेबल का लॉन्च गाना बना। कार्यक्रम में हरिहरन और सोहिनी डे ने तुषार की अन्य ग़ज़लों को भी गाया।

प्रसिद्ध ग़ज़लें जो दिल छू जाती हैं

नित्यानंद तुषार की ग़ज़लें जीवन की सच्चाइयों, रिश्तों, मुसीबतों और उम्मीद को बयान करती हैं। न्यूज18 ने उनकी पाँच मशहूर ग़ज़लों में से कुछ को विशेष रूप से प्रकाशित किया। उदाहरण के लिए:

ग़ज़ल 1: 'ये सफर कितना कठिन है
रास्तों को क्या पता
कैसे-कैसे हम बचे हैं, हादसों को क्या पता।
आंधियाँ चलती हैं तो फिर सोचती कुछ भी नहीं
टूटते हैं पेड़ कितने, आंधियों को क्या पता। '

ग़ज़ल 2: 'मेरा अपना तजुर्बा है, इसे सबको बता देना
हिदायत से तो अच्छा है, किसी को मशवरा देना।
अभी हम हैं, हमारे बाद भी होगी हमारी बात
कभी मुमकिन नहीं होता, किसी को भी मिटा देना।
सितम की उम्र छोटी है, ज़रा उनको बता देना। '

ये पंक्तियाँ उनके संग्रह 'सितम की उम्र छोटी है' से ली गई हैं। उनकी ग़ज़लें पद्मश्री हरिहरन और सोहिनी डे द्वारा गाई जा चुकी हैं।

एक इंजीनियर की शायराना ज़िंदगी

तुषार का जीवन दोहरी चुनौतियों का प्रमाण है - दिन में पुल, सड़क और भवनों का निर्माण, रात में ग़ज़लों का निर्माण। वे कहते हैं कि इंजीनियरिंग ने उन्हें संरचना सिखाई, लेकिन शायरी ने उन्हें भावनाओं की संरचना सिखाई। उनके ब्लॉग 'दिल की बात' और सोशल मीडिया अकाउंट्स (@nityanandtushar) पर हजारों प्रशंसक उनकी नई रचनाएँ पढ़ते हैं।

आगे की राह 'सुर म्यूजिक' के साथ जुड़ने के बाद तुषार अब बॉलीवुड के अन्य मशहूर संगीतकारों के लिए भी गीत लिख रहे हैं। कई संग्रह प्रकाशनाधीन हैं। 63 वर्ष की उम्र में भी उनकी कलम रुकने का नाम नहीं ले रही। ग़ाज़ियाबाद से मुंबई तक की यह यात्रा साबित करती है कि सच्ची रचनात्मकता की कोई उम्र या पेशा नहीं होता। नित्यानंद तुषार की कहानी सिर्फ एक शायर की नहीं, बल्कि उन लाखों भारतीयों की है जो अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ते। 'मोहब्बत तेरी' के बाद अब इंतजार है उनके अगले गीत और ग़ज़ल संग्रह का। शायर कहते हैं - 'ज़िंदगी की इक हकीकत आपसे कहता हूँ मैं' - और उनकी ज़िंदगी खुद एक हकीकत बन चुकी है।

मोतीपुर ईदगाह में अदा हुई ईद की नमाज, मौलाना सुफियान ने बताया ईद का महत्व

● हजारों नमाजियों ने मांगी अमन-चैन और भाईचारे की दुआ, गुनाहों से तौबा का किया आह्वान

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर हरगांव थाना क्षेत्र की चौकी झरेखापुर अंतर्गत मोतीपुर गांव में ईद-उल-फ़ित्र का पर्व पूरे हर्षोल्लास, धार्मिक आस्था और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। शनिवार की सुबह जैसे ही दिन की शुरुआत हुई, गांव में त्योहार की रौनक साफ नजर आने लगी। लोग नहा-धोकर नए कपड़े पहनकर, इत्र की खुशबू लगाकर ईदगाह की ओर रवाना हुए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर चेहरे पर खुशी और उत्साह झलक रहा था। ईदगाह में मोतीपुर गांव समेत दूर दराज से से पहुंचे हजारों की संख्या में नमाजियों ने एकत्र होकर ईद की विशेष नमाज अदा की। नमाज के दौरान अनुशासन, श्रद्धा और शांति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। नमाज के उपरांत मौलाना मोहम्मद सुफियान ने उपस्थित नमाजियों को संबोधित करते हुए ईद के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईद का पर्व अल्लाह तआला की ओर से मुसलमानों के लिए एक अनमोल तोहफा है, जो पूरे एक माह के रोजों, इबादत, सब्र और आत्मसंयम के बाद मिलता है। उन्होंने बताया कि रमजान का महीना इंसान को सिर्फ भूख-प्यास सहने का नाम नहीं सिखाता, बल्कि यह अपने अंदर की बुराइयों को खत्म करने, दूसरों के दुख-दर्द को समझने और इंसानियत के रास्ते पर चलने की प्रेरणा देता है। ईद उसी साधना और इबादत की खुशी का दिन है, जब इसान अपने रब का शुक्र अदा करता है। मौलाना ने आगे कहा कि ईद केवल खुशियां मनाने का दिन नहीं, बल्कि अपने गुनाहों से सच्चे दिल से तौबा करने, अल्लाह से रहमत और मगफिरत मांगने तथा समाज में प्रेम, भाईचारे और एकता को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने दिलों में किसी के प्रति द्वेष न रखें, गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे के करीब आएं और समाज में अमन-चैन का संदेश फैलाएं। नमाज के बाद सभी नमाजियों ने बारगाह-ए-इलाही में हाथ उठाकर अपने गुनाहों की माफी मांगी और मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ की। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। ईद मुबारक की गूंज के साथ पूरा वातावरण भाईचारे और अपनत्व से भर उठा। इस दौरान झरेखापुर चौकी इंचार्ज अपने हमराही पुलिस बल के साथ सुबह से ही ईदगाह पर मौजूद रहे। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए नमाजियों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से लोगों ने खुद को सुरक्षित महसूस किया। गांव में ईद के मौके पर हर घर में खुशियों की महक साफ महसूस की गई। लोगों ने अपने-अपने घरों में तरह-तरह के पारंपरिक पकवान तैयार किए, जिनमें सेवइयां, शीरखुरमा, मिठाइयां और अन्य लजीज व्यंजन शामिल रहे। दिनभर लोग एक-दूसरे के घरों में जाकर इन पकवानों का लुत्फ उठाते रहे और आपसी मेल-मिलाप को और मजबूत करते नजर आए।

बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। नए कपड़ों में सजे बच्चों के चेहरे खुशी से खिले हुए थे और उन्हें ईदी मिलने का खास इंतजार था। बड़े-बुजुर्गों ने बच्चों को ईदी देकर उनकी खुशियों में इजाफा किया। वहीं युवाओं ने भी एक-दूसरे के साथ समय बिताकर त्योहार का आनंद लिया। पूरे दिन गांव में आपसी सौहार्द, प्रेम और भाईचारे का वातावरण बना रहा। लोग एक-दूसरे के घर जाकर बधाई देते रहे, रिश्तों को मजबूत करते रहे और खुशी के इस मौके को यादगार बनाते रहे। यह सिलसिला देर शाम तक चलता रहा और मोतीपुर गांव ईद की खुशियों से सराबोर नजर आया। इस तरह मोतीपुर में मनाई गई ईद ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि आपसी एकता, प्रेम और भाईचारे की मिसाल भी पेश की। इस मौके पर हमेशा की तरह इस बार भी सेलूमऊ प्रधान प्रतिनिधि सिद्धेश्वर सिंह, पवन सिंह व अन्य ने ईदगाह पहुंच कर लोगों से गले लग कर ईद की बधाई दी व कुशल क्षेम जाना।

कार्यालय ग्रा.पं. हाथ पाकड़. वि.ख. कटेहरी अंबेडकर नगर

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत हाथ पाकड़. वि.ख. कटेहरी जनपद अंबेडकरनगर में मनरेगा/ राज्य/15वां/ केंद्रीय वित्त के योजनाअंतर्गत लिखित कार्य के लिए सामग्री ईट,आदि हेतु आपूर्ति ईट भट्ठा मालिकों व आपूर्तिकर्ताओं से अपने लेटर पैड पर मुहर बंद निविदाएं दिनाँक 24/03/2026 से 26/03/2026 तक की अवधि में ग्राम पंचायत कार्यालय के कार्य अवधि में आमंत्रित की जाती है तथा दिनाँक 26/03/2026 को अधोहस्ताक्षरित निविदाओं के समक्ष सायं 4 बजे खोली जाएगी। किसी भी निविदा को बिना कोई कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा।

आपूर्ति हेतु सामग्री निम्नवत है।

परियोजना का नाम-(1) आत्माराम वर्मा के खेत से पोस्ट मैन के घर तक खड़ंजा निर्माण कार्य।
(2) में रोड से सुरेंद्र प्रजापति के घर तक खड़ंजा निर्माण कार्य।

हरिश चन्द्र वर्मा
प्रधान
ग्रा.पं. हाथ पाकड़. वि.ख.
कटेहरी अंबेडकर नगर

अनिल कुमार यादव
सचिव
ग्रा.पं. हाथ पाकड़. वि.ख.
कटेहरी अंबेडकर नगर

संक्षिप्त खबरें

रोहिन नदी की साफ-सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

रतनपुर/ महराजगंज। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत श्यामकाट के प्रधान प्रतिनिधि वशिष्ठ कान्दू व ग्राम पंचायत अधिकारी पिंगला चौधरी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने रविवार को गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत रोहिन नदी की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। पंचायती राज विभाग के निर्देश पर नमामि गंगे योजना अन्तर्गत गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत ग्राम पंचायत श्यामकाट के प्रधान प्रतिनिधि, सचिव व ग्रामीणों ने मिलकर पंचायत भवन से लेकर श्यामकाट पुल व रोहिन नदी की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि वशिष्ठ कान्दू, ग्राम पंचायत सचिव पिंगला चौधरी, रोजगार सेवक रामसकल यादव, पंचायत सहायक सुषमा यादव, ग्रामीण राजेंद्र मद्धेशिया, लालजी, रामलाल, रामनयन, उर्मिला, सुधा, इशरावती, पुष्पा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पत्रकार की मां के निधन पर शोक सभा आयोजित

टूण्डला- नगर के पत्रकार जाविद अली की मां के निधन पर टूण्डला प्रेस क्लब ने शोक सभा आयोजित कर दिवंगत आत्मा की शांति को दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की गई और शोक संवेदना व्यक्त की गई। शोक संतृप्त परिवार को ईश्वर से धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई। शोक सभा में टूण्डला प्रेस क्लब के संस्थापक राजू उपाध्याय, अध्यक्ष सोमेंद्र पोनियां, विमल किशोर बॉबी, सचिव विवेक शर्मा, जाविद अली, योगेंद्र चौधरी, धीरज बघेल, संतोष शर्मा, उपेंद्र यादव, ताहिर सिद्दीकी, महेश ठैनुआ, देवेंद्र प्रताप सिंह, कपिल देव, राकेश गौतम,अनुज रावत आदि क्लब के पत्रकार उपस्थित रहे।

हिंदू नव वर्ष पर दुर्गागंज में आरएसएस के पथ संचलन, दिखा उत्साह

भदोही। दुर्गागंज बाजार में हिंदू नव वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लेकर अनुशासन और उत्साह का परिचय दिया। स्वयंसेवक निर्धारित वेशभूषा में कतारबद्ध होकर बाजार के प्रमुख मार्गों से गुजरे। इस दौरान देशभक्ति और सांस्कृतिक नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। स्थानीय लोगों ने भी जगह-जगह पथ संचलन का स्वागत किया। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम हिंदू नव वर्ष के स्वागत के साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर अशोक सिंह, विंध्यवासिनी पांडे, नरेंद्र तिवारी, अंकित सिंह, पंकज पुनवासी, सुनील मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं, पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे और आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

दिनदहाड़े साइकिल चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

गोपीगंज। राजमार्ग स्थित मिर्जापुर तिराहे पर दिनदहाड़े साइकिल चोरी की घटना सामने आई है। थाना परिसर के राधेकृष्ण मंदिर के पुजारी महेंद्र पाठक, निवासी लालानगर, एक रेस्टोरेंट पर फलाहार लेने गए थे। इस दौरान उन्होंने अपनी साइकिल बाहर खड़ी कर दी। बताया जाता है कि जैसे ही पुजारी दुकान के अंदर गए, पहले से मौके की तलाश में खड़ा एक चोर साइकिल लेकर फरार हो गया। बाहर आने पर साइकिल गायब देख पुजारी के होश उड़ गए। काफी खोजबीन के बाद जब रेस्टोरेंट के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया, तो उसमें पीले रंग की पगड़ी पहने एक युवक साइकिल ले जाते हुए दिखाई दिया। घटना की लिखित सूचना थाने में दे दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आए दिन बाइक और साइकिल चोरी की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस अब तक किसी मामले का खुलासा नहीं कर सकी है। गौरतलब है कि जिस स्थान से चोरी हुई, वहां होमगार्ड और ट्रैफिक पुलिस की नियमित ड्यूटी भी रहती है, इसके बावजूद चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

भाजपा की बी टीम है सपा- ओपी राजभर

● ओपी राजभर बोले-रात को योगी को देते गुलदस्ता, कहते दिन में बोलने दीजिये रात को आपके साथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर। प्रदेश सरकार के 'नव निर्माण के 9 वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को पंडित रामनरेश त्रिपाठी सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर शामिल हुए। उन्होंने मीडिया से बातचीत की। राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा भाजपा की 'बी टीम' है। उन्होंने अखिलेश यादव के बंगाल चुनाव संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सपा मध्य प्रदेश में भाजपा को जिताने गई थी। राजभर के अनुसार, सपा नेता दिन में भाजपा का विरोध करते हैं, लेकिन रात में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर कहते हैं कि 'दिन में बोलने दीजिए, रात को हम आपके साथ हैं' और उन्हें गुलदस्ता भेंट करते हैं।

मंत्री राजभर ने मथुरा में फरसा बाबा की मौत को लेकर विपक्ष के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम अफवाह फैलाना है। राजभर के मुताबिक, फरसा बाबा की मौत हत्या नहीं, बल्कि एक दुर्घटना थी, जिसमें पीछे से एक गाड़ी ने टक्कर मारी थी। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी (DM) और पुलिस अधीक्षक (SP) ने भी इस संबंध में बयान दिया है।

वाराणसी में गंगा पर इफ्तार पार्टी और गंगा में हड्डी डालने के मामले पर राजभर ने समाजवादी पार्टी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा के शासनकाल में पैसे पर काम होता था और तब गंगा पर रोजा इफ्तार कभी नहीं हुआ। राजभर ने इसे 'शरारती तत्वों' की हरकत बताया और कहा कि वर्तमान में कानून का राज है और कानून अपना काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध करने वालों को वोट की चिंता सता रही है, न कि नाव पर बिरयानी खाने की।

राहुल गांधी के डॉलर संबंधी बयान पर मंत्री राजभर ने कहा कि राहुल गांधी विदेश जाकर भारत को कटघरे में खड़ा करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर चुनाव आयोग को भी पक्षपात का आरोप लगाकर कटघरे में खड़ा करने का आरोप लगाया। राजभर ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर चुनाव आयोग गड़बड़ चुनाव करा रहा है, तो राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेता, जो ऐसे चुनाव जीते हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

जल महोत्सव अभियान का शुभारंभ, जल संरक्षण का लिया संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदैया/सुल्तानपुर। विकास खण्ड भदैया के तेंरये ग्राम सभा में जल महोत्सव (ग्रामीण) अभियान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण का संकल्प लेते हुए 'हर घर जल' और जल जीवन मिशन के तहत जल महोत्सव दिवस एवं विश्व जल दिवस का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख राजेन्द्र वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पेयजल स्वच्छता समिति के अध्यक्ष सियाराम प्रधान ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में स्थानीय जल समिति के सदस्यों एवं अधिकारियों ने ब्लॉक प्रमुख का फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक अभियान को सफल बनाने का भरोसा जताया।

अधिकारियों ने जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत गांव में बिछाई गई पाइपलाइन और हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की योजना की विस्तृत जानकारी दी। बताया गया कि ग्राम सभा के लगभग 650 घरों को इस योजना से लाभ मिलेगा। सहायक अभियंता एवं उनकी टीम ने ग्रामीणों को जल संरक्षण, पानी के रखरखाव और उसके दुरुपयोग को रोकने के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीणों द्वारा चार सूत्रीय जल संकल्प भी लिया गया, जिसमें जल व्यवस्था को अपनी संपत्ति मानकर उसकी देखभाल करना, पानी का अपव्यय रोकना, जल स्रोतों को स्वच्छ रखना तथा हर घर तक सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में सहयोग देने का संकल्प शामिल रहा।

कार्यक्रम में जल जीवन निगम की कार्यदायी संस्था गायत्री रेमकी के प्रोजेक्ट मैनेजर अंकित उपाध्याय, आईएसए संस्था कृषि एवं शैक्षिक प्रबंध संस्थान के दिनेश त्रिपाठी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सहायक अभियंता प्रमोद कुमार, डीपीएमयू टीम से जिला समन्वयक शिव मूर्ति सिंह, सीबीटी सूरज सिंह, साइड इंजीनियर सुधांशु गर्ग, सीनियर इंजीनियर तारकेश्वर गुप्ता समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे।

'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम का पांचवां दिन, योजनाओं का हुआ लाभ वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। 'संकल्प से सिद्धिः सुरक्षा-सुशासन-समृद्धि' थीम के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के पांचवें दिन विकास भवन स्थित डीपीआरसी सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता जिला परियोजना अधिकारी आदित्य, डीसी मनरेगा राजाराम एवं अपर उप जिलाधिकारी शिवप्रकाश यादव ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए, वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के पात्र लाभार्थियों को आवास की चाभियां सौंपकर सम्मानित किया गया। लाभार्थियों ने सरकार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि अब उन्हें सुरक्षित आवास का सपना पूरा होने का अवसर मिला है। पशुपालन विभाग द्वारा राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत 'मैत्री प्रशिक्षण' के लिए चयनित युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिससे उन्हें पशुपालन आधारित रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। अधिकारियों ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, रोजगार सृजन एवं ग्रामीण विकास पर प्रकाश डालते हुए लाभार्थियों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और अन्य लोगों को भी जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने गीतों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर वातावरण को आकर्षक बनाया।

स्वर्णकार संघ सुरियावां के मनोनीत अध्यक्ष हुवें मनोज वर्मा.....

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुरियावां। स्वर्णकार संघ की विशेष प्रादेशिक प्रवास एवं विशेष बैठक में वक्ताओं ने समाज को संगठित होने पर बल दिया। कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सेठ ने स्वर्णकार संघ सुरियावा का चुनाव के बाद अध्यक्ष व महामंत्री पद की घोषणा करते हुए उन्हें माल्यार्पण कर स्वागत किया! समाज के लोगों ने मत का प्रयोग करके हुवें,मनोज वर्मा अध्यक्ष और महामंत्री संजय वर्मा जी चुना! सुरियावा स्थित सुरियावा कैफे × फैमली रेस्टोरेंट में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा संगठन की मजबूती उसके सदस्य होते हैं और संगठित रहने से समाज की अलग मजबूती और पहचान बनी रहती है इसके साथ ही सुख दुख में भी समाज साथ खड़ा दिखाई देता है।

और कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित श्री राकेश वर्मा ने कहा कि राजनीति में भी समाज के लोगों को बढ़चढकर भागीदारी करनी चाहिए जिसके लिए समाज के लोगों का संगठित होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार से उनकी तीन मांगे हैं जिसमें लूट,डकैती की बढ़ रही घटनाओं को देखते हुए स्वर्णकारों को शस्त्र लाइसेंस जारी किए जाएं। उत्तर प्रदेश में स्वर्णकार आयोग का गठन किया जाए, इसके साथ ही स्वर्णकार समाज को आरक्षण दिया जाए, कार्यक्रम का संचालन कर रहें श्री अनिल वर्मा ने समाज को एकता व संगठन को मजबूत करने पर अपना विचार रखा! कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें स्वर्णकार संघ के जिलाध्यक्ष लोकेश सेठ ने कहा कि स्वर्णकार समाज के सोए हुए लोगों को जगाने का काम किया जायेगा समाज को संगठित करने के लिए डोर टू डोर जाकर लोगों को जोड़ा जाएगा। समाज के लोगों की एक पत्रिका बनाई जाएगी ताकि समाज के लोग एक दूसरे से जुड़े रहे। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष लोकेश सेठ, सरक्षक उमाशंकर वर्मा, माताप्रसाद वर्मा,विष्णु सेठ, श्यामसुन्दर वर्मा, उपाध्यक्ष दीपनारायण वर्मा मुन्ना, दिनेश सेठ बब्बू, राजेश वर्मा, मंत्री सतीश वर्मा सोनू, जिला मिडिया प्रभारी मनोज वर्मा, आशीष वर्मा, रामचंदर वर्मा, कपूरचन्द सेठ, और क्षेत्र के समस्त स्वर्णकार बंदु मौजूद रहे।

साइकिल रैली से दिया स्वास्थ्य व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गोपीगंज भदोही साइकिलिंग क्लब के तत्वावधान में रविवार को पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता के लिए विशाल साइकिल यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ बड़े चौराहे से चिकित्सक डॉ. एस.एस. यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया। यह रैली नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए मेवड़ापुर पहुंची, जहां निदेशक शम्सुज्जमा अंसारी व डॉ. जुबैर अंसारी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस दौरान वक्ताओं ने स्वस्थ जीवन के लिए नियमित व्यायाम और साइकिल के उपयोग को जरूरी बताया तथा लोगों से योग व खेलकूद अपनाने की अपील की। रैली का समापन मेवड़ापुर चौक पर हुआ। बड़ी संख्या में युवाओं व नागरिकों ने इसमें भाग लेकर स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर बेचन सिंह, जय प्रकाश दुबे, मोहम्मद राफे, राम श्रृंगार चौधरी, बनारसी बिंद, प्रमोद मौर्या, राजीव जायसवाल, जिगर गुप्ता, रितिक कनौजिया, महेंद्र यादव, कमलेश कश्यप, सरफराज अहमद सहित कई लोग उपस्थित रहे।

औराई पुलिस ने भूली-भटकी युवती को परिजनों से मिलाया

भदोही। मिशन शक्ति (फेज-5) के तहत औराई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक भूली-भटकी युवती को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। यह कार्य पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। जानकारी के अनुसार प्रयागराज जनपद के थाना सरायइनायत क्षेत्र की 21 वर्षीय युवती परिजनों की डांट से नाराज होकर घर से निकल गई थी और रास्ता भटककर औराई-उगापुर मार्ग पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर थाना औराई पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और युवती को सुरक्षित अपने संरक्षण में लेकर मिशन शक्ति केंद्र लाई। पूछताछ में युवती की पहचान होने के बाद उसके परिजनों से संपर्क कर उन्हें बुलाया गया। आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद युवती को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया।पुलिस की त्वरित कार्रवाई से परिजन बेहद संतुष्ट नजर आए और उन्होंने औराई पुलिस की सराहना की। इस सराहनीय कार्य से आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। इस कार्य में मिशन शक्ति केंद्र, थाना औराई की टीम-उपनिरीक्षक राजेंद्र पांडेय एवं महिला कांस्टेबल मनीषा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मौसम खराब होने से ईदगाह के अलावा अन्य दस मस्जिदों में भी पढ़ी गयी ईद की नमाज

● खुशी के साथ मनाया गया ईद का त्योहार।

बड़ी ही अकीदत और एहतराम के साथ पढ़ी गयी ईद-उल-फित्र की नमाज।

हाफिज मौलाना तजकीर आलम कासमी ने जहांगीराबाद ईदगाह में पढ़ाई ईद की नमाज़।

लोगों ने एक दूसरे के घर जाकर दीं त्यौहार की बधाइयां, और खायी सिवंइयां।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। मौसम अत्यधिक खराब होने पर जहांगीराबाद स्थित ईदगाह पर शनिवार को पूर्व निर्धारित समय सुबह 8:30 बजे इमाम हाफिज मौलाना तजकीर आलम कासमी ने ईद की नमाज पढ़ाई। इसी के साथ मरकजी कमेटी के ऐलान पर सुबह 8:40 से लेकर 9:00 बजे के बीच अलग अलग समय पर कस्बे की अन्य लगभग दस मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। ईद का त्योहार बड़े ही अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। इस मौके पर जहांगीराबाद सहित आसपास क्षेत्र के भारी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने जहांगीराबाद ईदगाह पहुंच कर नमाज अदा की जिनमें नौजवान, बुड्ढे और बच्चे शामिल थे। इसके बाद देर रात तक एक दूसरों के घरों में जाकर ईद-उल-फित्र पर्व की बधाइयां देने और सिवंइयों, मिठाइयों सहित अन्य पकवानों के खाने का क्रम चलता रहा। इस अवसर पर चौराहे पर मेला भी लगा जिसमें लोगों ने मिठाइयां खरीदीं और बच्चों ने झूले का आनन्द लिया। जहांगीराबाद सहित आसपास के पूरे क्षेत्र धामीसरांय, बसुदहा व कोठार आदि जगहों पर ईद का त्यौहार बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ शान्ति पूर्वक मनाया गया। इस मौके पर नायब तहसीलदार सुधीर कुमार श्रीवास्तव, ए0 डी0 ओ0 पंचायत राजेश कुमार श्रीवास्तव व क्षेत्रीय लेखपाल नीलेश कुमार यादव के अलावा सदरपुर थाना के अपराध निरीक्षक सुरेश कुमार यादव भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। इस बार चप्पे चप्पे पर पुलिस की नजर रही।

ईद उल फितर की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

● हमें सब्र और शुक्र के साथ अपनी जिंदगी बितानी चाहिएः- सैय्यद फुरकान हाशमी सज्जादा नशीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर रमजानुल मुबारक के रोजों के बाद आज पूरे देश में ईद उल फितर पूरे जोश और खरोश के साथ मनाई गई सभी मुसलमानों ने ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा करके मुल्क में अमन शांति और आपस में भाईचारा बना रहे इसके लिए दुआ भी की खैराबाद की शाही ईदगाह में पेश इमाम डॉक्टर मुफ्ती इलियास अहमद कासमी ने रमजान और ईद की अहमियत बताई और भाईचारे की बात पर जोर देते हुए कहा कि हमारा कोई भी अमल यानी कार्य ऐसा न हो जिससे किसी को तकलीफ़ न पहुंचे,जबकि मतवल्ली इकराम हुसैन ने सभी का आभार व्यक्त किया इसी क्रम में दरगाह बड़े मखदूम साहब में सज्जादा नशीन शोएब मियां के सुपुत्र कारी हसन साकिब तय्यब उस्मानी ने नमाज अदा कराई जबकि सज्जादा नशीन शोएब मियां और हाफिज अरसलान हसनी सभी नमाजियों गले मिलकर मुबारकबाद देते नज़र आ रहे थे तथा आपस में मेल मोहब्बत बनी रहे इस बात पर भी ज़ोर दे रहे थे।जबकि दरगाह हाफिज असलम मियां में नमाज से पूर्व सज्जादा नशीन हाजी सैय्यद फुरकान वहीद हाशमी ने जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि ईद उल फितर को हम त्यौहार की तरह न मनाएं बल्कि इबादत के तौर पर मनाएं क्योंकि यह पूरे माह रमजान के रोजे रखने और उसका शुकराना यानी धन्यवाद के तौर पर दो रकात नमाज अदा की जाती है आज हमें प्रण करना चाहिए कि जिस प्रकार से रमजान के रोज़े रखें कुरान की तिलावत की और नमाज की पाबंदी की इसी तरह से हमें पूरे साल नमाज की पाबंदी और कुरान की तिलावत, अपने पड़ोसियों से हमदर्दी, और सिला रहमी से काम करनी होगी, परेशान लोगों की मदद करना यह भी एक इबादत है जैसे नमाज पढ़ना इबादत है इस तरह से गरीब परेशान बीमार और अनाथों की मदद करना भी इबादत की श्रेणी में आता है जकात जिन पर फर्ज है उसे अवश्य अदा करें और जो इसका हकदार है उसी को दी जाए जबकि नमाज से पहले सदका ए फितर अदा करना अनिवार्य है हमें चाहिए कि हम सब एक बन कर रहें और अपने माता-पिता अपने बड़ों का सम्मान करें अपने पड़ोसियों और देशवासियों से मोहब्बत करें। इस मौक़े पर दरगाह मुतवल्ली सैय्यद नवेद असलम हाशमी सलमी मियां, सैय्यद फरजान मियां सैय्यद फरहान मियां सैय्यद फरमान मियां हाशमी सभी नमाजियों से मिलकर मुबारकबाद पेश कर रहे थे दरगाह छोटे मखदूम साहब में हाफिज कारी मौलाना अब्दुल बाकी ने नमाज अदा कराई और सज्जादा नशीन सैय्यद मदनी मियां हाफ़िज़ सैय्यद गुफरान हसन रिज़वी सैय्यद कामरान हसन रिज़वी ने सभी को मुबारकबाद पेश की, पुरानी बाजार में स्थित हाजी सिफत उल्लाह जामा मस्जिद में हाफिज व कारी नसीर अहमद ने तथा दादा मियां की मस्जिद में हाफिज सैय्यद शारिक किरमानी ने नमाज अदा करवाई और मुल्क में अमन शांति की दुआ की इसी तरह पूरे कस्बे की मस्जिदों में शांतिपूर्ण ढंग से नमाज अदा की गई सभी मस्जिदों में और ईदगाह पर सुरक्षा की दृष्टि से समुचित पुलिस व्यवस्था रही तथा ईदगाह पर नगर पालिका अध्यक्ष की ओर से कैंप लगाकर लोगों को ठंडा पानी आदि की व्यवस्था की गई थी जिसके लिए पालिका अध्यक्ष और उनके प्रतिनिधि बेबी अभिषेक गुप्ता और बबलू गुप्ता को जनता ने बधाई दी। मुबारकबाद देने वालों में मुतवल्ली इकराम हुसैन, एस एच ओ अनिल सिंह, मौलाना मुफ्ती आफताब आलम नदवी, क़ारी इस्लाम अहमद आरफी,काजिम हुसैन सिद्दीकी, मुफ्ती बहाउद्दीन कासमी, पूर्व पालिका अध्यक्ष हाजी जलीस अंसारी, अतीक अहमद अंसारी, सैय्यद तालिब किरमानी, सैय्यद इंतेसाब किरमानी, सैय्यद जुगनू किरमानी, फरहान हुसैन आदि प्रमुख हैं।

ईद पर घोसिया में उमड़ा खुशियों का सैलाब, नमाज़ अकीदत व सुरक्षा के बीच संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घोसिया, भदोही। पवित्र पर्व ईद-उल-फितर के मौके पर घोसिया नगर में ईद की नमाज़ बड़े ही अकीदत, उल्लास और भाईचारे के माहौल में अदा की गई। नगर के विभिन्न स्थानों पर नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली और चारों ओर खुशियों का माहौल छाया रहा।

घोसिया के वार्ड नंबर 6 स्थित ईदगाह में दो जमातों में नमाज़ अदा की गई। पहली जमात सुबह 7:45 बजे मौलाना तनवीरुद्दीन की इमामत में संपन्न हुई, जबकि दूसरी जमात सुबह 8:45 बजे जीशान अमजदी के नेतृत्व में अदा की गई। इसके अलावा मिश्रानी मस्जिद में सुबह 7:30 बजे और नहरा ईदगाह पर सुबह 7:45 बजे नमाजियों ने नमाज़ अदा की।

नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और देश में अमन-चैन, तरक्की व खुशहाली की दुआ मांगी। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

ईदगाह और आसपास के इलाकों में मेले जैसा माहौल रहा, जहां मिठाई, पकौड़ी, चाट, फुलकी, पापड़ सहित विभिन्न खाद्य सामग्री की दुकानों पर भीड़ उमड़ी रही। वहीं बच्चों के लिए खिलौनों की दुकानों पर भी अच्छी-खासी खरीदारी देखने को मिली। इस मौके पर चेयरमैन बेबी एबरार, हाफिज सलाउद्दीन साहब, पूर्व चेयरमैन नुमान अहमद, रईस उस्मानी, नसीम अहमद सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ईद के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सभी नमाज़ स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे, जिसके चलते पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रही।

सहजन तोड़ते समय हाईटेंशन की चपेट में आया छात्र, गंभीर रूप से झुलसा

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के माधोपुर गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया,जहां पेड़ पर चढ़कर सैजन (सहजन) तोड़ रहा 15 वर्षीय छात्र हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। माधोपुर गांव निवासी भगवान दास बिन्द के यहां ननिहाल मे रह रहे आयुष (15) पुत्र बबलू, जो कक्षा 8 का छात्र है, गांव के एक स्कूल के पास लगे पेड़ पर सैजन तोड़ने के लिए चढ़ा था। इसी दौरान पेड़ के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। करंट लगते ही वह बुरी तरह झुलस गया और नीचे गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। वहीं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आबादी के बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों की सुरक्षा को लेकर विभाग लापरवाह बना हुआ है, जिससे इस तरह के हादसे लगातार हो रहे हैं। लोगों ने विद्युत विभाग से जर्जर और खतरनाक लाइनों को दुरुस्त कराने की मांग की है।